संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

# दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 70 शुक्रवार 10 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## महत्वपूर्ण खबर

### महिला के शारीरिक बनावट पर कमेंट करना यौन उत्पीड़न के समान

### केरल हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

**कोच्चि,09 जनवरी 2025(ए)।** किसी भी महिला के बॉडी स्ट्रक्चर पर कमेंट करना यौन टिप्पणी है। ये यौन उत्पीड़न के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसा कहना है केरल हाईकोर्ट का।केरल हाईकोर्ट ने कहा, किसी महिला के फिगर पर कमेंट करना सेक्शुअल हैरेसमेंट के बराबर है। जस्टिस ए बदरुद्दीन ने केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के एक पूर्व कर्मचारी की याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया।

### धनबाद में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में फायरिंग और बमबारी

**धनबाद,09 जनवरी 2025(ए)।** धनबाद जिले की खरखरी कोलियरी में आउटसोर्सिंग पर काम करने वाली एक कंपनी में वर्चस्व को लेकर गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और झामुमो नेता कारू यादव के समर्थकों के बीच गुरुवार को खूनी संघर्ष हो गया। दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग और बमबारी की गई। इसमें 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

### ईडी गठबंधन खत्म हो

**जम्मू-कश्मीर,09 जनवरी 2025(ए)।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इंडी गठबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन का कोई स्पष्ट नेतृत्व, एजेंडा और बैठकें नहीं हो रही हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

# आरक्षण से बाहर करना सरकार का काम

» क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

» सुप्रीम कोर्ट ने कहा- प्रतिस्पर्धा करने में समक्ष लोगों को आरक्षण से बाहर किया जाए

» याचिका में की गई थी क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए नीति की मांग

**नई दिल्ली,09 जनवरी 2025(ए)।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पिछले 75 सालों को ध्यान में रखते हुए आरक्षण का लाभ ले चुके ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण से बाहर रखा जाना चाहिए जो दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं, लेकिन इस पर फैसला कार्यपालिका और विधायिका को लेना होगा।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा दिए गए एक फैसले का जिक्र करते हुए एक याचिका पर यह टिप्पणी की।

#### क्रीमीलेयर पर पीठ ने फैसले में क्या कहा था?

संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, जो सामाजिक रूप से विषम वर्ग है, ताकि उन जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं।

जस्टिस गवई भी संविधान पीठ का हिस्सा थे और उन्होंने एक अलग निर्णय लिखा था। उन्होंने कहा था कि राज्यों को एससी और अनुसूचित जनजातियों (एससी/एसटी) के भीतर भी क्रीमीलेयर की पहचान करने की नीति बनाई जानी चाहिए। उनमें जो लोग सक्षम हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं देना चाहिए।

### याचिकाकर्ता ने कहा...छह माह बीत गए,पर नहीं बना कानून

याचिकाकर्ता के वकील ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के उसी निर्णय का उल्लेख किया, जिसमें ऐसी क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए नीति बनाने की बात कही गई थी। जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दृष्टिकोण था कि उप-वर्गीकरण की अनुमति है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संविधान पीठ ने राज्यों को नीति बनाने का निर्देश दिया था और तब से लगभग छह महीने बीत चुके हैं। पीठ ने जब याचिका पर सुनवाई के प्रति अनिच्छा जाहिर की तो वकील ने याचिका वापस लेने और संबंधित प्राधिकारी के समक्ष पक्ष रखने की अनुमति मांगी, जो इस मुद्दे पर निर्णय ले सके। पीठ ने इसकी अनुमति दे दी। जब वकील ने तर्क दिया कि राज्य नीति नहीं बनाएंगे और अंततः सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ेगा तो अदालत ने कहा, विधायिका कानून बना सकती है।

### जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी ने जताई थी असहमति

छह न्यायाधीशों ने एक दूसरे से सहमति जताने वाला फैसला दिया था, जबकि जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी ने बहुमत के फैसले से असहमति जताई थी। जस्टिस त्रिवेदी ने कहा था कि एससी-एसटी का उपवर्गीकरण संवैधानिक प्रविधानों के विरुद्ध है। अनुच्छेद-341 और अनुच्छेद-342 में जारी राष्ट्रपति की सूची में कोई भी बदलाव सिर्फ संसद कर सकती है और राज्यों को यह अधिकार नहीं है। सात जजों की बेंच ने 6:1 के बहुमत से ई.वी. चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों का कोई उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता क्योंकि वे अपने आप में एक समरूप वर्ग हैं।

### 20 साल पुराने मामले में बनाई व्यवस्था गलत

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने एक अगस्त को 6-1 के बहुमत से दिए फैसले में कहा था कि एससी-एसटी वर्ग के ज्यादा जरूरतमंदों को आरक्षण का लाभ देने के लिए राज्य एससी-एसटी वर्ग में उपवर्गीकरण कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल पुराने पांच न्यायाधीशों के ईवी चिनैया (2004) मामले में दी गई व्यवस्था को गलत ठहरा दिया था। ईवी चिनैया फैसले में पांच न्यायाधीशों ने कहा था कि एससी-एसटी एक समान समूह वर्ग हैं और इनका उपवर्गीकरण नहीं हो सकता। एक अगस्त के फैसले में कोर्ट ने आरक्षण के भीतर आरक्षण पर तो मुहर लगाई ही थी। साथ ही एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में से क्रीमीलेयर को चिन्हित कर बाहर किए जाने की जरूरत पर भी बल दिया था।

# माता-पिता के बीच विवाद के कारण नाबालिग से पासपोर्ट रखने का अधिकार नहीं छीना जा सकता:मुंबईहाई कोर्ट

**मुंबई,09 जनवरी 2025(ए)।** बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि माता-पिता के बीच जारी वैवाहिक विवाद के कारण किसी नाबालिग से पासपोर्ट प्राप्त करने और विदेश यात्रा करने का अधिकार नहीं छीना जा सकता। कोर्ट ने बुधवार को यह आदेश दिया, जिसकी प्रति गुरुवार को उपलब्ध कराई गई। अदालत ने पुणे क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को 17 वर्षीय लड़की को दो सप्ताह के भीतर पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया और कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार का एक पहलू है।

दरअसल, आरपीओ ने नवंबर 2024 में लड़की की मां को एक संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया था कि लड़की के पासपोर्ट आवेदन पर कार्रवाई नहीं की जाएगी क्योंकि उसके पिता ने इस पर आपत्ति जताई है। याचिका के अनुसार, लड़की के माता-पिता के बीच तलाक का मुकदमा जारी है। पासपोर्ट कार्यालय के संदेश के जवाब में, लड़की की मां ने पासपोर्ट कार्यालय को बताया कि फॉर्म में पिता की सहमति नहीं थी क्योंकि दंपति के बीच वैवाहिक विवाद है। स्टडी टूर पर जापान जाएंगी छात्रा

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ता लड़की के मूल्यवान संवैधानिक अधिकार को उसके पिता द्वारा अपना अनापत्ति प्रमाण पत्र देने से इनकार करने के केवल एक संदेश के आधार पर उससे छीना नहीं जा सकता। इसने कहा कि नाबालिग लड़की अपनी मां के साथ रह रही है और एक होनहार छात्रा है जिसने 10वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण उसके स्कूल द्वारा आयोजित जापान के अध्ययन दौरे में उसे भाग लेने के लिए चयनित किया गया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे में लड़की को पासपोर्ट प्राप्त करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

# सड़क हादसे के बाद मिलेगा कैशलेस इलाज

» सुप्रीम कोर्ट बोला-14 मार्च तक योजना लागू करे सरकार

**नई दिल्ली,09 जनवरी 2025 (ए)।** सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे के बाद घायलों के इलाज के लिए अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार को ऐसी योजना बनानी चाहिए। जिससे लोगों को हादसे के बाद बिना कोई पैसा दिए इलाज मिल सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार गोल्डन ऑवर अवधि में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की योजना तैयार करे। गंभीर चोट लगने के बाद पहले एक घंटे को गोल्डन ऑवर कहा जाता है। घायल के इलाज के लिए ये वक्त सबसे अहम माना जाता है।

गंभीर चोट लगने पर एक घंटे के अंदर उचित इलाज बेहद जरूरी होता है। इस दौरान इलाज मिलने पर घायल व्यक्ति के बचने की संभावना ज्यादा रहती है। देर होने पर मौत या अपंग होने की आशंका बढ़ जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि हादसे में घायल हुए व्यक्ति के करीबी और परिजन उसके आस-पास नहीं होते हैं। इसलिए उसकी मदद करने वाला कोई नहीं होता है। घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में जरूरी उपचार मिलना चाहिए, लेकिन अक्सर गोल्डन ऑवर में जरूरी इलाज से मना कर दिया जाता है। अस्पताल भी ऐसी सूरत में कभी-कभी पुलिस के आने तक इंतजार करते हैं। उनकी चिंता इलाज में लगने वाले खर्च को लेकर होती है। कई मामलों में अगर गोल्डन ऑवर के दौरान जरूरी उपचार नहीं मिलता है, तो घायलों की जान जा सकती है। ऐसे में कैशलैस योजना जरूरी है।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 162 के तहत गोल्डन ऑवर के दौरान दुर्घटनाओं के पीड़ितों के कैशलेस उपचार की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की बनती है। कोर्ट ने सरकार को योजना लागू करने के लिए 14 मार्च तक का समय दिया है। 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर दोबारा सुनवाई करेगा।

# महाराष्ट्र में एचएमपीवी वायरस की दस्तक

### नागपुर में मिले नए मामले,सरकार ने जारी की एडवाइजरी

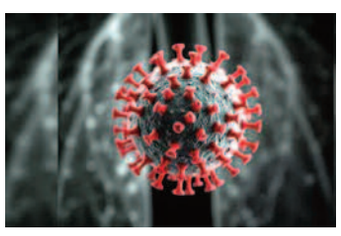

**नागपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** महाराष्ट्र में ह्यूमन मेटापेन्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। राज्य में इस वायरस के तीन मामले सामने आए हैं। नागपुर में दो और मुंबई में एक केस की पुष्टि हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वायरस बच्चों और बुजुर्गों को अधिक प्रभावित कर सकता है। हालांकि, महामारी की स्थिति बनने की संभावना कम है।

# तिरुपति में हुए भगदड़ में सात की मौत

**तिरुपति,09 जनवरी 2025(ए)।** तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। वैकुंठ द्वार दर्शनम के दौरान अचानक मची अफरातफरी में कई श्रद्धालुओं ने अपनों को खो दिया, तो कई खुद मौत के मुंह से बच निकले। इस हादसे में कम से कम 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए।

घटना में जीवित बची डी. वेंकट लक्ष्मी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि पांच मिनट तक ऐसा लगा कि अब हम जिंदा नहीं बचेंगे। मैं पिछले 25 वर्षों से मंदिर आ रही हूं, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा. उन्होंने बताया कि छह लड़कों ने उन्हें एक तरफ खींचकर पानी दिया.

उनके अनुसार, भगदड़ के दौरान लोग बेकाबू हो गए थे और श्रद्धालुओं के ऊपर से गुजर रहे थे।

एक अन्य श्रद्धालु ने बताया कि वह सुबह 11 बजे मंदिर पहुंची थीं, लेकिन टिकट के लिए दरवाजा शाम 7 बजे खोला गया। जैसे ही गेट खुला, भीड़ बेकाबू हो गई. पुलिस की कमी और व्यवस्था की खामियों ने स्थिति को और खराब कर दिया। एक श्रद्धालु ने दावा किया कि पुलिस को 5,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने अचानक गेट खोल दिया, जिससे भगदड़ मच गई।

इस घटना को लेकर राजनीतिक दलों ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाई. एस. शर्मिला ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया और तत्काल जांच की मांग की. उन्होंने मृतकों के परिवारों को सहायता देने और घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने की बात कही।

# भोपाल सेंट्रल जेल में ड्रोन मिलने से हड़कंप

### सुरक्षा चूक ने खड़े किए सवाल

**भोपाल,09 जनवरी 2025 (ए)।** 26 जनवरी से पहले भोपाल की सेंट्रल जेल में एक ड्रोन कैमरा मिलने की घटना ने सुरक्षा प्रबंधों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह ड्रोन जेल की हाई-सिक्योरिटी बैरक से लगभग 200 मीटर दूर उस क्षेत्र में मिला, जहां नई बैरिक बनाई जा रही है। इस घटना के बाद जेल प्रशासन और भोपाल पुलिस हाई अलर्ट पर है।

## 10वीं-12वीं के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर

# साल में दो बार होंगी बोर्ड की परीक्षाएं

### लागू होगा समेस्टर सिस्टम

**नई दिल्ली,09 जनवरी 2025 (ए)।** 10वीं तथा 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अगले साल से स्कूली शिक्षा में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आने वाले शैक्षणिक वर्ष (2026-27) में बोर्ड एग्जाम्स में बड़े अपडेट्स का ऐलान किया है। उन्होंने कहा की अगले शैक्षणिक साल से 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन साल में दो बार किया जाएगा। सेमेस्टर सिस्टम भी लागू हो सकता है। छात्रों के पास दोनों परीक्षाओं में शामिल होने का विकल्प होगा। उनका मानना है कि ऐसा करने से बोर्ड परीक्षा में छात्रों पर पढ़ाई का तनाव कम होगा।शिक्षा मंत्री ने कहा की साल में दो बोर्ड परिक्षा की शुरुआत सीबीएसई बोर्ड एग्जाम से लागू होगी, लेकिन इसे अन्य स्टेट बोर्ड भी लागू कर सकते है। उन्होंने बताया कि साल में दो बार बोर्ड परीक्षा कराने का फैसला अगले शैक्षणिक सत्र यानी 2026-27 से लागू किया जाएगा। अभी इसे लागू करने की तैयारी की जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों से एग्जाम का तनाव कम करने के लिए, ये बड़ा कदम उठाया जा रहा है। साल में दो बार बोर्ड एग्जाम का आयोजन जेईई मेन की तर्ज पर किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, पहली परीक्षा फरवरी में और दूसरी अप्रैल में आयोजित की जा सकती है। जिस सेक्शन की परीक्षा में छात्र का प्रदर्शन अच्छा होगा उसे अंतिम स्कोर माना जाएगा।

इससे छात्रों के पास बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए एक साल मे दो विकल्प होंगे। 10वीं और 12वीं बोर्ड के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले स्टूडेंट्स दोनों ही सेशन की परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। साल मे दो बार परिक्षा होने से विद्यार्थी पर पढ़ाई का बोझ कम होगा। वह आराम से परिक्षा की तैयारी कर पांएगे। साथ ही उन्हें अच्छी तैयारी करने के लिए अधिक समय मिलेगा। अगर किसी छात्र की तैयारी कम है, तो वह पहले सेशन की बजाए दूसरे सेशन की परीक्षा में बैठ सकेंगे। वहीं अगर पहले सेशन की परीक्षा में यदि कोई छात्र फेल हो जाता है, तो वह दूसरे सेशन की परीक्षा दे सकता है।

### गुरप्रीत सिंह हरीनौ हत्याकांड में अमृतपाल सिंह और अर्श डल्ला पर लगा यूएपीए

**चंडीगढ़,09 जनवरी 2025 (ए)।** पंजाब पुलिस ने गुरप्रीत सिंह हरीनौ हत्याकांड के मामले में सांसद अमृतपाल सिंह और आतंकी अर्श डल्ला समेत अन्य आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा लगाई है। गुरप्रीत सिंह हरीनौ को पिछले साल 9 अक्टूबर को मोटरसाइकिल सवार शूटरों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। पंजाब पुलिस की एसआईटी ने मामले की जांच के दौरान सांसद अमृतपाल सिंह और आतंकी अर्श डल्ला को नामजद किया था। इसके अलावा हत्याकांड में शामिल दोनों शूटरों, रेकी करने वाले तीन आरोपियों और उनके सहआरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

## संपादकीय

# बीमा कवरेज से लोग वंचित

विरोधाभास यह है कि बीमा कवरेज घटने के बावजूद प्रीमियम से बीमा कंपनियों की आय बढ़ती चली गई है। ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022-23 में भारत में प्रति व्यक्ति औसत प्रीमियम 92 डॉलर था, जो 2023-24 में 95 डॉलर हो गया।भारत में वैसे भी आबादी का बेहद छोटा हिस्सा बीमा कवरेज में रहा है। समय गुजरने के साथ इस कवरेज का साया सिकुड़ता ही जा रहा है। बीमा विनियमन एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की 2023-24 के बारे में जारी ताजा रिपोर्ट से सामने आया है कि उपरोक्त वित्त वर्ष में बीमा कवरेज में 3.7 फीसदी गिरावट आई। यानी इसके पहले वाले वित्त वर्ष में जिन लोगों ने बीमा करा रखा था, उनमें 3.7 प्रतिशत इसकी सुरक्षा से बाहर हो गए।इसके बाद देश की सिर्फ 2.8 फीसदी आबादी बीमा कवरेज में रह गई है। जानकारों के मुताबिक इसका कारण प्रीमियम दरों में हुई असाधारण बढ़ोतरी है। आम तजुर्बा है कि कोरोना काल के बाद चाहे जीवन बीमा हो या मेडिकल बीमा- उनकी प्रीमियम रकम में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। ताजा रिपोर्ट बताती है कि 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों ने प्रीमियम में छह प्रतिशत बढ़ोतरी की। तो जाहिर है, जो लोग और ऊंची प्रीमियम चुकाने में सक्षम नहीं थे, उन्होंने अपनी पॉलिसी बीच में ही छोड़ दी। जबकि 2022-23 में भी उसके पहले वाले वित्त साल की तुलना में बीमा कवरेज घटा था। विरोधाभास यह है कि बीमा कवरेज घटने के बावजूद प्रीमियम से बीमा कंपनियों की आय बढ़ती चली गई है। ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022-23 में भारत में प्रति व्यक्ति औसत प्रीमियम 92 डॉलर था, जो 2023-24 में 95 डॉलर हो गया। इस तरह प्रीमियम से जीवन बीमा कंपनियों की आय में 6.06 प्रतिशत वृद्धि हुई। ये रकम 8.30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई।चूंकि हर प्रीमियम पर सरकार भी 18 फीसदी जीएसी वसूलती है, इसलिए प्रीमियम बढने के साथ सरकार की टैक्स वसूली भी बढ़ती जाती है। तो कंपनियां और सरकार दोनों फायदे में हैं। नुकसान में सिर्फ उपभोक्ता हैं। जिस देश में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का पहले से अभाव हो और स्वास्थ्य सेवाएं उत्तरोत्तर निजी क्षेत्र के हाथ में जा रही हों, वहां बीमा कवरेज से लोगों का वंचित होना कितनी बड़ी चिंता की बात है, आसानी से समझा जा सकता है। मगर नीति निर्माता इसे समझने को तैयार हैं, इसके कोई संकेत नहीं हैं।

# वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है हिन्दी

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों किन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है। सही मायनों में विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है भारत की राजभाषा हिन्दी, जो न केवल भारत में बल्कि अब दुनिया के अनेक देशों में बोली जाती है। वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती ताकत का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं और दुनियाभर के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। दुनियाभर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करने तथा हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तत्पश्चात् भारत के बाहर मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका इत्यादि देशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' के द्वारा जब हिन्दी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया जाता है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। अगर हिन्दी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में पचहतर करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिन्दी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता था, वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिन्दी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले की संख्या अब अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर चौदह करोड़ से ज्यादा हो जाने का अनुमान है। इंटरनेट पर हिन्दी का जो दायरा कुछ समय पहले तक कुछ ब्लॉगों और हिन्दी की चंद वेबसाइटों तक ही सीमित था, अब हिन्दी अखबारों की वेबसाइटों ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध तथा जन-जन की भाषा बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी का भी उपयोग करने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए भारत में ई-कॉमर्स साइटें भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए हिन्दी में ही अपनी 'एप' लेकर आ रही हैं। हिन्दी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें तो 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वालों की संख्या में हमारे देश में करीब 10 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2001 में जहां 41.03 फीसदी लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया था, वहीं 2011 में ऐसे लोगों की संख्या करीब 42 करोड़ के साथ 43.63 फीसदी दर्ज की गई और जिस प्रकार हिन्दी का चलन लगातार बढ़ रहा है, माना जाना चाहिए कि उसके बाद के करीब एक दशक में हिन्दी बोलने वालों की संख्या में कई करोड़ लोगों की बढ़ोतरी अवश्य हुई होगी।भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बुरा प्रभाव पड़ा। इसी कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे और गर्व का विषय यह है कि अब सैंकड़ों देशों में हिन्दी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। अगर भारतीय परिवेश में हिन्दी के प्रचलन को लेकर बात की जाए तो यह चिंता की बात है कि भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का दिल खोलकर इस्तेमाल करते हैं।ऐसे में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर लोगों को हिन्दी भाषा के विकास, हिन्दी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग न करने पर हानि के बारे में समझाया जाना बेहद जरूरी है। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि हिन्दी उनकी राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्त्व्य है और जब तक सभी लोग इसका उपयोग नहीं करेंगे, इस भाषा का विकास नहीं होगा। उन्हें यह अहसास कराए जाने का भी प्रयास किया जाना चाहिए कि भले ही दुनिया में अंग्रेजी भाषा का सिक्का चलता हो लेकिन हिन्दी अब अंग्रेजी भाषा से ज्यादा पीछे नहीं है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# बदरंग होता समाज और आरक्षण की मृगतृष्णा

अटलजी की सरकार में योजना आयोग में रहे एक बड़े दलित नेता प्रो.सूरजभान ने कहा था- हर परिवार को न्यूनतम पाँच एकड़ जमीन दे देजिए और अपना ये आरक्षण अपने पास रखिये ये कामकाजी कर्मठ लोग अपनी हैसियत खुद बना लेंगे। स्वतंत्रता के बाद भारतमाता की पुनर्प्राणप्रतिष्ठा का सपना पाले गांधी जी इहलोक से प्रस्थान कर गए। अन्ना जैसे सभी समाजसेवी कहते हैं कि आज गांव संकट में हैं, इस देश को बचाना है तो गांवों को बचाना होगा। मोहन भागवत जी भारतमाता ग्राम्यवासिनी के वैभव की बात करते हैं और गाँवों को बचाने के लिए व्यापक पैमाने पर अभियान की जरूरत पर जोर देते हैं। गांधी ग्राम स्वराज के पैरोकार थे। उन्हें इसकी पूरी आशंका थी कि आजादी के बाद नई अर्थव्यवस्था का प्रहार गांवों में होगा, और हुआ भी। यूरोपीय दर्शन से प्रभावित पं.जवाहरलाल नेहरू ने शहरों को विकास का मानक बना दिया। श्रम आधारित कुटीर उद्योगों की जगह भारी मशीनों का बोलबाला शुरू हुआ। गांव की मिश्रित अर्थव्यवस्था भंग होती गयी। परिणाम यह हुआ कि 90 के ग्लोबलाइजेशन के बाद, टाटा, बाटा सभी गाँव पहुंच गए। गांव के परंपरागत कौशल को संगठित व बड़ी कंपनियों ने हजम करना शुरू कर दिया। सबसे पहले इसी वर्ग से काम छिना जो गांव की अपनी स्वतंत्र अर्थव्यवस्था के कारक थे।मध्यप्रदेश के रीवा जिले के जिस बड़ीहर्दी नामक गाँव का मैं निवासी हूँ उसका इतिहास पाँच सौ वर्ष से ज्यादा पुराना है। जो गाँव दो सौ वर्ष भी पुराने होंगे वहां के उम्रदराज लोगों ने आहिस्ता-आहिस्ता ढहती अर्थव्यवस्था को अपनी नजरों से देखा होगा। हमारे गाँव में प्रायः हर वृत्ति के पारंगत लोग थे। लुहार, बढ़ई, सोनार, ठठेर, ताम्रकार, रंगरेज, कोरी, धोबी, रंगरेज, नाई लखेरा, पटवा, मनिहार, बेहना,भड़भूजा बाँस का काम करने वाले बँसोर,चमड़े का जूता बनाने वाले चर्मकार, कुम्हार, बनिया, किसान। सभी एक दूसरे पर निर्भर या यों कहें परस्पर पूरक। सन् सत्तर के दशक तक मेरी जानकारी में रुपये का विनिमय महज 10 प्रतिशत था। सभी काम सहकार और वस्तु विनिमय के आधार पर चलते थे। बड़ी कंपनियों के उत्पादों ने गाँव में सेध लगानी शुरू कर दी। सब एक-एक कर बेकार होते गए। आज मेरे गाँव से लगभग समूचा कामकाजी वर्ग पलायन कर गया। लुहारी टाटा ने छीन ली और बाटा चर्मकार होकर पहुंच गए। सोनारों के धंधे में भी ब्राडेंड कंपनियाँ आ गई।एक बार टीवी डिबेट में मेरे एक साथी ने आपत्ति उठाई कि आप उनके उत्थान के पक्षधर नहीं हैं क्या? मैंने जवाब दिया हूँ.. कैसा उत्थान चपरासी की नौकरी पाना उत्थान है क्या.? जिनके पास सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी पारंपरिक कौशल है उसे आधुनिकता के साथ जोड़ा जाना चाहिए। यदि उन्हें ही कौशल संपन्न बनाया जाता तो आज गाँवों में टाटा-बाटा, तनिष्क नहीं घुसते। सबसे बड़ा खेल राजनीति का रहा। उन्होंने जातियों को वोट बैंक में बदल दिया और आरक्षण की मृगतृष्णा दिखा कर समूचे कामकाजी समाज को नौकरी की लाइन में खड़ा कर दिया।

जबकि वास्तविकता यह है कि देश की सत्ता का संचालन करने भगवान् स्वयं आ जाएं तो वे सबको नौकरी नहीं दे सकते। एक सुनियोजित साजिश के तहत परंपरागत कौशल छीन कर उद्योगपतियों के हवाले कर दिया गया।गांधी ने जो ग्रामोद्योग वाली स्वाबलंबी व्यवस्था सोची थी उसका सत्यानाश हो गया। हर छोटे-बड़े काम उद्योगपतियों के हवाले कर दिए गए। उद्योग जातीय बंधन नहीं मानता इसलिए पंडित बिंदेशरी पाठक आज देश के सबसे बड़े स्वीपर हैं और पंडित विश्वनाथ दुबे (जबलपुर) व देशपांडे जी (पुणे) ने देश के सबसे बड़े मुरगी पालक। आरक्षण से ज्यादा जरूरी था इस वर्ग का आर्थिक सशक्तिकरण। यदि दलित जातियों के पास धन आ जाता तो सामाजिक गैरबराबरी अपने आप मिट जाती। अटलजी की सरकार में योजना आयोग में रहे एक बड़े दलित नेता प्रो.सूरजभान ने कहा था- हर परिवार को न्यूनतम पाँच एकड़ जमीन दे देजिए और अपना ये आरक्षण अपने पास रखिये ये कामकाजी कर्मठ लोग अपनी हैसियत खुद बना लेंगे। सत्तानशीनों से पूछिये क्या हुआ सीलिंग एक्ट का? यह तो सांविधानिक व्यवस्था थी कि एक परिवार के पास निर्धारित रकबा से ज्यादा भूमि न हो। अतिशेष जमीन भूमिहीनों में बाँट दी जाए। छः दशक काँग्रेस का शासन रहा क्या हुआ उस संविधानिक व्यवस्था का। भाजपा सरकार क्यों नहीं सोचती कि अतिशेष भूमि बाँटी जाए। चौधरी चरण सिंह उत्तरप्रदेश मे आज भी चकबंदी के फैसले और उसपर कड़ाई से अमल के लिए जाने जाते हैं। सत्ता में नए जमाने के जमीदार काबिज हैं। जो नहीं थे वे कुर्सी पाते ही बन गए। आज गांवों के सामने नया संकट है। पहला तो यह कि सत्तर प्रतिशत लैंडहोल्डिंग दस प्रतिशत लोगों के पास है। ये दस फीसद लोगों की दोहरी नागरिकता है। हैं किसान पर रहते शहर में हैं। बड़े नगरों की पचास किमी की परिधि में अब ज्यादातर शहरी साहब ही किसान हैं। जमीनों का मालिकाना हक इन्हीं के पास है। ये बड़े अफसर हैं या व्यवसायी। इनका गाँवों की उन्नति से कोई लेना देना नहीं।निवेश और औद्योगिकीकरण के नाम पर जोत की जमीनें जा रही हैं। नेशनल हाइवेज का विस्तार में भी जोत की जमीन का बड़ा हिस्सा जा रहा है।गांव के जो मध्यमवर्गीय किसान हैं उन्हें डराया जा रहा है कि खेती जोखिम का धंधा है। शहरी कारोबारी ठेके की खेती करने गाँव घुस रहे हैं। हताश किसान एक मुश्त रकम पाकर खेती छोड़ रहा है। सरकारें किसानों की सुविधाओं की बातें तो कर रही हैं लेकिन उनका भरोसा नहीं जीत पा रहीं। यह कथित किसान आंदोलन भी कुछ इसी तरह के भ्रम का परिणाम है।कहीं पढ़ा था कि ब्राजील में ऐसा ही हुआ। गांवों में सिर्फ बीस प्रतिशत लोग रह गए। वे पलायन कर शहरों के स्लम में बस गए। खेती शहरी कारोबारियों के कब्जे मे आ गई। अपना देश जब आजाद हुआ था तब 85 फीसद लोग गावों में रहते थे। अब यह आँकड़ा 65 फीसदी तक पहुंच गया। इस दरम्यान शहरों की संख्या तीन गुना बढ़ गई, नब्बे हजार गाँव खत्म हो गए। जब आजादी मिली थी तब कृषि क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 50 प्रतिशत था 2015 में यह 17 प्रतिशत आ गया। 40 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्हें विकल्प मिल जाए तो तत्काल खेती छोड़ दें।गांधी ने कहा था- प्रत्येक गाँव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वाबलंबी हों तभी सच्चा ग्राम स्वराज आ सकता है। आजाद भारत में जमीन पर अधिकार जमीदारों का नहीं, जोतने वालों का होगा, वही असली मालिक होंगे। गांधी के इस सपने को तिल तिल मारा गया। जिस क्रूर अर्थव्यवस्था की छाया में हम आगे बढ़ रहे हैं उसके चलते गांवों का वजूद संकट में हैं। व्यवस्था की इस अंधी कोठरी में गाँवों की चिंता करने वालों का होना एक रोशनदान का होना है। भारतमाता ग्राम्यवासिनी, गाँव बचेंगे तभी देश बचेगा। हम सब अपने अपने हिस्से का सोचें और जितना बन सके करें।

-जयराम शुक्ल-

# वीर सावरकर:कॉलेज के नाम पर विवाद क्यों?

प्रो. महेश चंद गुप्ता
पटना,बिहार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में दिल्ली यूनिवर्सिटी में महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर वीर सावरकर के नाम पर नए कॉलेज की आधारशिला रखी। इसी के साथ सावरकर के नाम पर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सावरकर के नाम पर विरोध जताना शुरू कर दिया है। कांग्रेस इस कॉलेज का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखने की वकालत कर रही है जबकि वामपंथी कॉलेज का नाम देश की पहली अध्यापिका सावित्री बाई फुले के नाम पर रखे जाने के पक्ष में हैं। बड़ा प्रश्न है कि आखिर वीर सावरकर के नाम पर कांग्रेस परेशान क्यों हो उठती है?

देश में दशकों तक सत्ता सुख भोगती रही कांग्रेस के नेता केन्द्र में मोदी सरकार बनने के बाद से बुरी तरह निराश और हताश हैं। वह सत्ता में वापसी के लिए जितने तड़फड़ा रहे हैं, हकीकत में सत्ता उनसे उतनी ही दूर होती जा रही है। जब कांग्रेस पार्टी सरकार में थी तो उसने लंबे समय तक देश की राजनीति को नेहरू-गांधी परिवार के हिसाब से आकार दिया है। कांग्रेस ने जिस तरह परिवारवाद को बढ़ावा दिया, देश की संस्थाओं के नामकरण में पक्षपात किया और सरदार पटेल, अंबेडकर और लालबहादुर शास्त्री जैसे नेताओं को हाशिये पर धकेला, उस बारे में सब जानते हैं। कांग्रेस में पहले जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी छाए रहे और अब सोनिया गांधी और राहुल गांधी का वर्चस्व साफ दिखाई देता है। इससे पार्टी के भीतर प्रतिभावान नेताओं के लिए आगे बढने का अवसर सीमित हो गया है। केवल गांधी परिवार के नाम पर राजनीति करने की कोशिश में कांग्रेस न केवल बुरी तरह पस्त हुई है, बल्कि रसातल में चली गई है।

जब तक कांग्रेस सत्ता में रही, देश की तमाम संस्थाओं, योजनाओं और कार्यक्रमों के नाम गांधी-नेहरू परिवार के सदस्यों पर ही रखे जाते रहे। अगर केवल दिल्ली में ही इस नामों पर गौर करते हैं तो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी विवि, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, कमला नेहरू कॉलेज, इंदिरा गांधी नेशनल कल्चरल सेंटर, राजीव गांधी कैंसर हॉस्पिटल, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, राजीव चौक, राजीव गांधी भवन और न जाने कितनी ही सड़कें, अन्य भवन, चौक-चौराहे वगैरह नजर आते हैं, जिनका नामकरण कांग्रेस के नेताओं के नाम पर ही किया गया है। केन्द्र और विभिन्न राज्य सरकारों की तमाम योजनाओं का नामकरण भी नेहरू-गांधी परिवार के नाम पर ही किया जाता रहा है। कांग्रेस नेताओं का यह महिमामंडन हमारे महान स्वाधीनता सेनानियों और अन्य बड़े नेताओं को दरकिनार करके किया गया है।

वैसे तो हर गैर कांग्रेसी नेता के नाम पर किसी भवन, संस्था या योजना का नाम रखे जाने कांग्रेस तिलमिला उठती है लेकिन वीर सावरकर के नाम पर कांग्रेस नेता सबसे ज्यादा परेशान हो उठते हैं। दरअसल, तुष्टिकरण के खेल में माहिर कांग्रेस को हिंदुत्व से खास चिढ़ है। यही कारण है कि कांग्रेस को उन महान क्रांतिकारियों एवं नेताओं का नाम तक नहीं सुहाता, जो हिंदुत्व का प्रतीक बन चुके हैं। हाल यह है कि कांग्रेस के एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर राहुल गांधी तक सभी वीर सावरकर की आलोचना करने में लगे रहते हैं। कांग्रेस को एक बार भी सावरकर पर अंग्रेजों से माफी मांगने, औपनिवेशिक अधिकारियों की चाटुकारिता करने और महिलाओं का अपमान करने जैसे आरोप लगाकर उनकी छवि खराब करते हुए संकोच नहीं हुआ है लेकिन कांग्रेस के विषवमन के बावजूद राष्ट्रवादी जनता देश की आजादी के लिए पूरा जीवन खपा देने वाले सावरकर के आगे श्रद्धानमत होती है। कांग्रेस के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि अगर वीर सावरकर देश की आजादी के लिए नहीं लड़ रहे थे तो अंग्रेजों ने उन्हें दो बार उम्रकैद का दंड क्यों दिया? आखिर किसलिए सावरकर को काले पानी की सजा देकर अंडमान की काल कोठरियों में रखा जाता रहा? क्यों सावरकर पर निर्मम जुल्म किए जाते रहे? कांग्रेस जब तक सत्ता में रही, उसने सावरकर जैसे महान नेताओं की शौर्य गाथा को जनता के सामने नहीं आने दिया। उसने नेहरू को ही 'युगपुरुष' साबित करने के लिए अपना समूचा जोर लगा दिया। लेकिन कांग्रेस के पास इस बात का भी कोई जवाब नहीं है कि आखिर नेहरू को कभी काले पानी की सजा देकर काल कोठरी में क्यों नहीं भेजा गया? कांग्रेस ने कभी भी सावरकर और उन जैसे अन्य महान स्वाधीनता सेनानियों को वह गौरव प्रदान नहीं किया, जिसके वह हकदार थे और आज जब एक कॉलेज का नामकरण सावरकर के नाम पर किया गया है तो यह भी उनसे हजम नहीं हो रहा है।

देश के लोग अब कांग्रेस के तुष्टिकरण और वीर सावरकर के विराट व्यक्तित्व में अंतर करना जान गए हैं। लोगों को पता है कि कांग्रेस हिंदुत्व एवं हिंदुत्ववादी नेताओं का विरोध अपनी तुष्टिकरण की नीति के कारण ही करती आ रही है। लोग इसे भूले नहीं है कि वर्ष 2003 में पुराने संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में सावरकर का चित्र लगाने की भी कांग्रेस ने जमकर मुखालफत की थी। कांग्रेस ने तब यह तर्क दिया था कि सावरकर एक सांसद नहीं थे, इसलिए उनका चित्र संसद भवन में नहीं लगाया जाना चाहिए। जबकि हकीकत यह है कि उससे पहले महात्मा गांधी और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के चित्र उनके सांसद न होने के बावजूद संसद में लगाए जा चुके थे। साफ जाहिर है, एक हिंदुत्ववादी महान नेता का चित्र संसद में लगाए जाने पर कांग्रेस को ऐतराज था।

कांग्रेसी और वामपंथियों का मानना है कि कॉलेज का नामकरण सावरकर के नाम पर करने के पीछे मौजूदा राजनीतिक माहौल में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का उद्देश्य है। कहा जा रहा है कि ऐसा करके अपनी विचारधारा को शिक्षा के क्षेत्र में थोपने की कोशिश की जा रही है। पर सवाल यह भी है कि देश में लोग राष्ट्रवादी विचारधारा पर न चलें तो क्या तुष्टिकरण के उस मार्ग पर चलें, जिसे कांग्रेस पसंद करती है? यह भी कहा जा रहा है कि शिक्षा संस्थानों को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। ऐसे नामकरण शिक्षा के उद्देश्य को प्रभावित करेंगे। सवाल यह है कि जब नेहरू और इंदिरा गांधी के नाम पर विश्वविद्यालयों का नामकरण किया गया तो क्या उससे शिक्षा का उद्देश्य नहीं प्रभावित हुआ होगा? सावरकर के नाम पर कॉलेज के नामकरण किए जाने पर प्रलाप करके कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रही है। उनके नाम पर कॉलेज का नामकरण होना एक स्वाधीनता सेनानी के रूप में वीर सावरकर का सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन है, जो बारम्बार किया जाना चाहिए। जिन सावरकर ने स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपना जीवन समर्पित किया, उन्हें यह सम्मान बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। कांग्रेस एवं वामपंथी भले ही इस मामले पर राजनीति कर रहे हों लेकिन इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कथन गौर करने लायक है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन के प्रथम 'समर्पण समारोह' को संबोधित करते हुए सही कहा है कि सावरकर एक महान राष्ट्रवादी थे लेकिन समाज का एक वर्ग औपनिवेशिक मानसिकता वाला है, जिसे डीयू कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखे जाने पर आपत्ति है। प्रधान ने कहा कि हम इतिहास को बदलना नहीं चाहते, बल्कि इतिहास को बड़ा करना चाहते हैं। इतिहास भविष्य के लिए दर्पण होता है और डीयू इसमें बड़ी भूमिका निभा रहा है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री का कहना पूर्णतया सही है। अगर हम सावरकर जैसे महान क्रांतिकारियों पर गर्व करेंगे तो निश्चय ही हमारा इतिहास बड़ा होगा और उसका गौरव बढ़ेगा। सिर्फ एक कॉलेज ही क्यों, देश में विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रतिष्ठित संस्थानों, संस्थाओं, स्कूलों, हवाई अड्डों, बस अड्डो, रेलवे स्टेशनों का नामकरण भी सावरकर और अन्य महापुरुषों तथा स्वाधीनता सेनानियों के नाम पर किया जाना चाहिए। इससे जहां महान विभूतियों का अभिनंदन होगा, वहीं हमारी युवा पीढ़ी को एक दिशा मिलेगी। कांग्रेस के राज में वामपंथियों द्वारा इतिहास को तोड़-मरोड़ा जाता रहा है। विदेशी आक्रांताओं को महान बताया जाता है। इसके विपरीत आज अगर भाजपा के शासन में सावरकर को यह सम्मान दिया जा रहा है तो यह समूचे देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। निश्चय ही वीर सावरकर का नाम विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा और उन्हें अपने इतिहास के प्रति जागरूक बनाएगा। सावरकर के नाम पर कॉलेज का नामकरण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के सही मूल्यांकन का प्रतीक है। इसे निरर्थक बहस और विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

**कविता**
**महाकुंभ 2025**

**घटती-घटना**

अशोक पटेल
मोनिका डागा
चेन्नई तमिलनाडु

प्रयागराज में छाई अनुपम अद्वितीय बहार,
पा लो पवित्रता की आनंद दिव्यतम धार,
शुरू होने वाला है विशेष महाकुंभ स्नान,
कर लो चितमन से जप, तप, दान, स्नान ।
साधु-संत,भक्तजनों का जमावड़ा यहां लगा,
अति सुखदाई मंगलकारी संगम मेला है लगा,
कर लो तुम संगम त्याग, तपस्या, तन्मयता का,
खजाना भर लो ईश्वर से अनंत खुशियों का
कई वर्षों बाद आया है ये सुनहरा मौका,
धो लो जमा मन का मैल, जन्म-जन्मों का,
भक्ति की नगरिया की ओर प्रस्थान करो,
परमेश्वर का एकाग्र चित् हो ध्यान करो ।
निराला ये आध्यात्मिक, दैहिक, दैविक सुख,
मिटाने वाला है शारीरिक, मानसिक दुःख,
उत्तर आया है धरा पर स्वर्ग अति रमणीक,
पहला शाही स्नान अब शीघ्र ही नजदीक ।
सनातन संस्कृति का देखो भव्य आयोजन,
संचित कर्मों से मुक्ति का श्रेष्ठतम प्रयोजन,
साक्षी बनों अविरल बहती सात्विक बयार का,
पर्व ये अभिनंदन, वंदन, आत्मिक चिंतन का ।
आंखों देखा रोमांचक अविस्मरणीय है ये नज़ारा,
भाग्यशाली वो जिसने यहां थोड़ा समय गुजारा,
इस देवालय में प्रवेश की आई है तुम्हारी बारी,
प्रशासन ने इस बार कर रखी है चकाचक तैयारी ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

# भारत माता की मूर्ति को डंपिंग यार्ड में रखने से नगरवासियों में आक्रोश

## भारत माता की मूर्ति को चौक में जल्द स्थापित करें : इन्दर भगत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भारत माता चौक की प्रतिमा को डंपिंग यार्ड पर रखा गया है। इस कृत्य ने न केवल भारत माता के प्रति नगरवासियों के श्रद्धा और सम्मान को ठेस पहुंचाई है, बल्कि राष्ट्रीय भावना और स्थानीय नागरिकों की भावनाओं को भी गहराई से आहत किया है। इस स्थिति को देखते हुए भाजपा के जिला मंत्री इन्दर भगत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर सरगुजा और नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भारत माता की प्रतिमा को तत्काल डंपिंग यार्ड से हटाकर एक आदर्श और सम्मानजनक स्थान पर स्थापित करने की मांग की गई है।

जिला मंत्री इन्दर भगत ने अंबिकापुर के महापौर पर भारत माता के के सम्मान और मूर्ति के प्रति उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इस प्रकार के व्यवहार से हमारी विरासत का अनादर होता है, यह असहनीय है। नगर में एक मात्र भारत माता चौक है इसकी संरक्षण होनी चाहिए, उन्होंने जिला कलेक्टर सरगुजा और नगर निगम आयुक्त को इस समस्या पर तत्काल कार्यवाही करने की अपील करते हुए कहा कि इस विषय को शीघ्रता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित करें, ताकि भारत माता की प्रतिमा को यथोचित सम्मान मिले। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने यह स्पष्ट किया कि यदि इस मांग को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो इस मुद्दे को लेकर जन आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन सौंपने से पहले जनप्रतिनिधि एवं नगरवासियों ने कलेक्टर परिसर में स्थापित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में नगर निगम के महापौर डॉ अजय तिर्की के मन में भारत माता के प्रति भक्ति जगाने की सद्बुद्धि देने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ करके ज्ञापन सौंपने पहुंचे। इस अवसर पर करता राम गुप्ता, सुशांत घोष, अशोक सोनवानी, रामसेवक साहू, अशोक अग्रवाल, सालीम केरकेट्टा, शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. कृपा शंकर पटेल, सतीश सिंह, दीपक सोनी, संतोला सिंह, इंद्रदेव सिंह, डॉ.पुष्पेंद्र शर्मा, सत्यम साहू, सचिन भगत, रामबिहारी पैंकरा, अमरनाथ साहू, निखिल मरावी, पिंटू पाण्डेय, आशीष यादव, मिथलेश श्रीवास्तव, अर्जुन मुंडा, रेखा गुप्ता, स्मिता मुंडा, अशोक सोनी, ओम प्रकाश, सुधा गुप्ता, संतोष विश्वकर्मा, दीपक, संदीप ठाकुर, संदीप ताम्रकार, नीलेश तिवारी, योगेश गुप्ता, आर्यन गुप्ता, रामप्रताप मुंडा, देवकुमार, शैशव गिरी, उमेश पटेल, उमेश किस्पोट्टा, हिमांशु भगत, रोहित मुंडा, जितेश सागर, लक्ष्मी भगत, अनूप, सुरेन्द्र भगत, संजय राजवाड़े, पनेश्वर कुजूर, चंदन दास, आकाश बारी, यदुवंश केरकेट्टा, पंचराम मुंडा, बसंत सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

## 3 माह से राशन दुकानों से चना वितरण हुआ बंद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश शासन में भारतीय जनता पार्टी के सत्तारूढ़ होने के बाद दूसरी बार राशन दूकानों से चना वितरण बंद हो गया है। करीब 3 माह से राशन दुकानों में चना की आपूर्ति बंद है। इससे पूर्व भी करीब 5 माह तक राज्य शासन ने दुकानों में चना की आपूर्ति बंद रही थी। इस बात को लेकर कांग्रेस पार्टी ने आज अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल ने इस बाबत कांग्रेस जिलाध्यक्ष का एक पत्र कलेक्टर को सौंपा है और निवेदन किया है कि जनहित में राशन दुकानों में तत्काल चना आपूर्ति प्रारंभ की जाये। प्रतिनिधि मंडल में हिमांशु जायसवाल, रजनीश सिंह, नीतीश चौरसिया, अविनाश कुमार, विष्णु सिंहदेव, फैसल सिद्दकी, आशीष जायसवाल, आशीष शील शामिल थे।

## मोबाइल मेडिकल यूनिट से की जा रही स्वच्छता दीदियों की स्वास्थ्य जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

निकाय में संचालित मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट का डोर- टू -डोर संग्रहण कार्य में लगी स्वच्छता दीदियों के नियमित स्वास्थ्य जांच हेतु एसएलआरएम सेंटर में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रों में शिविर लगाए जाने से स्वच्छता दीदियों का संपूर्ण स्वास्थ्य जांच, निःशुल्क 41 प्रकार का रक्त जांच, रोग के उपचार एवं निःशुल्क दवाई का लाभ प्राप्त हो रहा है। सभी दीदियों का मेडिकल कार्ड बनाया जा रहा है। जिससे नियमित रूप से जांच में निरंतरता बनी रहे। इन शिविर में स्वच्छता दीदी के परिवार के सदस्यों का भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच किया जा रहा है।

## मिस छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता की विनर बनी मिस दामिनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

किड्स, ट्रांस, मिसेज, मिस्टर और मिस छत्तीसगढ़ एंड डांसिंग स्टार ऑफ छत्तीसगढ़ केटीजी क्लब कटघोरा द्वारा होटल सिटी इन अंबिकापुर में 5 जनवरी को आयोजित किया गया। जिसके आयोजक लक्ष्मी गर्ग कटघोरा, गोपाल शर्मा अंबिकापुर, प्रशांत अग्रवाल कटघोरा, पवन अग्रवाल अंबिकापुर, अरुण अग्रवाल अंबिकापुर और इस शो की डायरेक्ट मिस किरण रही। इस शो में दूर दूर से लोग पार्टिसिपेट किए जिसमें मिस छत्तीसगढ़ की विनर बनी मिस दामिनी।

बिलासपुर से पहली रनरअप दिशा कोरबा से और सेकंड रनरअप अंशिका अंबिकापुर से बनी। मिसेज की केटेगरी में विनर बनी मिसेज रेखा, फर्स्ट रनर अप मिसेज संध्या, सेकंड रनर अप बनी मिसेज नीलम। मिस्टर केटेगरी में मिस्टर केटेगरी में विनर बने, स्वरूप फर्स्ट रनर अप, सेकंड रनर अप मिस्टर हर्ष बने। किड्स केटेगरी में विनर बने शिवानी और प्रिशिका रनर अप राजवीर। ट्रांस केटेगरी में मिस ट्रांस क्वीन बनी मिस चेतना, फर्स्ट रनर अप बनी मुस्कान। बेस्ट वॉक विनर मिस गरिमा और मिस्टर भूपेश, डांस प्रतियोगिता में फर्स्ट मयंक अंबिकापुर, सेकंड सिद्धार्थ अंबिकापुर, थर्ड स्थान आकाश बिलासपुर ने प्राप्त किया। शो का मैनेजमेंट गौरव और नैना ने किया। ग्रूमिंग में प्रियंका शर्मा और राखी मंडल, मिस्टर राहुल, गौरव और जिज्ञासा श्रीवास्तव ने सहयोग किया। निर्णायक की भूमिका में सुनीता वैभव, अमन शर्मा, मिसेज अंशु गुप्ता, जिज्ञासा श्रीवास्तव, गौरव, प्रियंका शर्मा, राखी मंडल, राहुल और आयुष गुप्ता प्रमुख रहे।

## जनजाति गौरव समाज ने मनाई माता राजमोहनी देवी की पुण्यतिथि

- संवाददाता -
प्रतापपुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पद्मश्री माता राजमोहनी देवी की 31 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जनजाति गौरव समाज सरगुजा संभाग तथा माता राजमोहनी देवी जनसेवा संस्थान के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। माता राजमोहनी देवी के गोविंदपुर स्थित समाधीस्थल में पुण्यतिथि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनजाति गौरव समाज सरगुजा संभाग के कार्यकर्ता व माता राजमोहनी देवी जनसेवा संस्थान के अनुयाईयों द्वारा पुण्यतिथि के अवसर पर संभाग स्तरीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नशा मुक्ति का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जनजाति गौरव समाज के प्रदेश महामंत्री रामलखन पैकरा ने माता राजमोहनी देवी को नमन करते हुए उनके द्वारा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए गए नशा मुक्ति अभियान को मिलकर आगे बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर जनजाति गौरव समाज बलरामपुर जिलाध्यक्ष परमेश्वर सिंह, सूरजपुर जिलाध्यक्ष रघुवर भगत, दिनेश सिंह, श्रीमती शशिकला भगत जिलाध्यक्ष बलरामपुर महिला प्रभाग, श्रीमती कौशल्या एमसीबी सचिव, अमित सरुता, आदेश, लालसाय सिंह पावले, आलम आयाम, देवपाल सिंह पैकरा, तयती सिंह, सुखलाल पैकरा, बुधनराम सहित सैकड़ों अनुयाई व कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

## मैनपाट के नर्मदापुर में दो छात्राएं लापता,पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मैनपाट की नर्मदापुर स्थित सरकारी हॉस्टल की दो छात्राओं के लापता होने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों नाबालिग छात्राएं बीते रविवार को अपने गांव पैगा से हॉस्टल के लिए निकली थीं। क्रिसमस की छुट्टियां बिताने के बाद दोनों ने नर्मदापुर स्थित हॉस्टल लौटने के लिए बस का सहारा लिया था। हालांकि, दोनों छात्राएं हॉस्टल नहीं पहुंचीं, जिससे उनकी गुमशुदगी का मामला सामने आया।

लापता छात्राएं आदिवासी समाज से संबंधित हैं और उनके मोबाइल फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा है। परिजनों ने कमलेश्वरपुर थाना में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए छात्राओं की संभावित लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है। आसपास के इलाकों में खोजबीन तेज कर दी गई है और बस स्टैंड समेत अन्य स्थानों पर भी पूछताछ की जा रही है।

परिजनों और स्थानीय लोगों में घटना को लेकर गहरी चिंता है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि छात्राओं को जल्द से जल्द खोजने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

## ज्वलनशील पदार्थ फेंककर दुकान में आगजनी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ज्वलनशील पदार्थ फेंककर दुकान में आगजनी कर क्षति पहुंचाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रकाशचंद्र पांडेय शहर के अग्रसेन वार्ड देवेश्वर कॉलोनी का रहने वाला है। इसके कास्टमेटी दुकान में अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दिया गया था। इससे साढ़े चार लाख रुपए का नुकसान हुआ था। प्रकाश चंद्र पांडेय ने मामले की रिपोर्ट 24 दिसंबर को कोतवाली में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी छोटू चौधरी पिता कृष्णा चौधरी उम्र 26 वर्ष निवासी नवागढ़ हाथी पखना थाना कोतवाली, तन्नू सोनवानी पिता चन्द्रमा सोनवानी उम्र 26 वर्ष निवासी नवागढ़ हाथी पखना व समीर खान उर्फ गजनी निवासी नसीम खान उम्र 19 निवासी महामाया मंदिर के पास थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 326 (जी) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

## बीजापुर नक्सली हिंसा में शहीद हुए जवानों को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पिछले दिनों बस्तर क्षेत्र के बीजापुर में नक्सली हिंसा में शहीद हुए नौ जवानों को भारतीय जनता पार्टी ने श्रद्धांजलि दी। स्थानीय जय स्तंभ चौक अंबिकापुर में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा तथा छत्तीसगढ़ युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय तोमर की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने शहीद जवानों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने नक्सलियों की इस कायराना हरकत की निंदा करते हुए कहा कि अब नक्सलवाद अपने खात्मे की तरफ़ बढ़ रहा है इसलिए ऐसा संघर्ष देखने को मिल रहा है। बहुत जल्द छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त होगा।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमारे जवान नक्सलियों से आखिरी लोहा ले रहे हैं, उनकी शहादत बेकार नहीं जाएगी। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, अंबिकेश केशरी, विनोद हर्ष,राजकुमार बंसल, संतोष दास, अभिषेक शर्मा, विकास पांडे, मधुसूदन शुक्ला, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, जन्मेजय मिश्रा, संजय अग्रवाल, निश्चल सिंह,रिंकू वर्मा,निलेश सिंह,रमेश जायसवाल, अवधेश सोनकर, अंशुल श्रीवास्तव,संजू वर्मा, जितेंद्र सोनी, शंभू सोनी, संजय सोनी, सतीश सिंह,अभिषेक सिंह,सतीश शर्मा, नीलम रजवाड़े, हैप्पी सिंह, किंजल पांडेय,सानू कश्यप,वीर सोनी,सरिता जायसवाल, सौरभ मिश्रा, रविन्द्र तिवारी,इंदु गुप्ता,बबली,शालिनी सिंह,अर्चना सिंह, संगीता सोनी,सरस्वती यादव,गोलू यादव,पीयूष त्रिपाठी, सुनील बघेल, अजय सिंह, नलिनी पांडेय,गणेश सिंह, वेदांत तिवारी, अभिमन्यु श्रीवास्तव, शरद सिन्हा ,अजय सिंह, मनोज सोनी, अजय सोनी, प्रेमा नन्द तिग्गा,लक्की सिंह,भूपेंद्र सिंह, प्रिंस तिवारी, दिव्यांशु केसरी, देव वर्मा, आमोंक कश्यप, गोल्डी,विमल, सर्वेश तिवारी,प्रियेश अग्रहरि, छोटू गुप्ता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## नेत्रदान से मिलेगी दूसरे के अंधियारे जीवन में रोशनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

60 वर्षीय सेवानिवृत पटवारी के निधन पर परिजन नेत्रदान का निर्णय लिया। इस पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र चिकित्सकों ने उनके निवास पर पहुंचकर दोनों आंखों का कार्निया निकाल सिम्स मेडिकल कॉलेज बिलासपुर भेज दिया।

जानकारी के अनुसार नमनाकला निवासी सेवानिवृत ओम प्रकाश भारती की 60 वर्ष की आयु में बुधवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। निधन पर उनके परिजन ने नेत्रदान का निर्णय लिया। सूचना पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नोडल एवं नेत्र दान अधिकारी डॉ. रजत टोप्पो टीम के साथ रिषी कुमार भारती के घर पहुंचकर स्व. ओम प्रकाश भारती के पार्थिव शरीर से सम्मानपूर्वक दोनों आंखों का कॉर्निया निकाल सिम्स मेडिकल कॉलेज बिलासपुर भेज दिया। इस दौरान चिकित्सकों के टीम में डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. डोमन साहू, डॉ. दीपा वाधवानी, नेत्र सहायक अधिकारी रमेश घृतकर शामिल थे। नोटल अधिकारी रजत टोप्पो ने कहा कि इनके नेत्रदान से आगामी दिनों में दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को इस नेत्र दान से रोशनी मिलेगी। उन्होंने बताया कि आंखों का दान महादान है। लोगों को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। यह नेत्र विभाग शासकीय चिकित्सालय अम्बिकापुर एवं राष्ट्रीय अंधत्व कार्यकम की सफलता है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइ विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. रजत टोप्पो ने बताया कि स्व. ओम प्रकाश भारती के पार्थिव शरीर से दोनों आखों के कार्निया निकालकर आई कंटेनर में रखा गया। इसके बाद कंटेनर को कोल्ड चेन में डाला गया। कार्निया को 4 डिग्री तापमान में रखने का नियम है। इसके बाइ आई कंटेनर को सिम्स के लिए भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आई बैंक की सुविधा नहीं है। आई बैंक खोलने की तैयारी की जा रही है। अगर जिले में किसी का नेत्रदान किया जाता है तो उसे आई कंटेनर के माध्यम से सिम्स आई बैंक के लिए भेज दिया जाता है। किसी भी व्यक्ति की मौत के छह घंटे बाद परिजन की सहमति से नेत्रदान किया जा सकता है और उसे 72 घंटे तक आई बैंक में रखकर किसी जरूरतमंद को लगाया जा सकता है।

### निज्जर हत्या मामला:

# कनाडा की अदालत से 4 भारतीय हत्यारोपियों को जमानत,अब सुप्रीम कोर्ट में 11 फरवरी को सुनवाई

**ओटावा,09 जनवरी 2025।** खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार चार भारतीय नागरिकों को कनाडा की अदालत से राहत मिली है। साल 2023 के इस मामले में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने करण बराड़, कमलप्रीत सिंह, करणप्रीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया था। अब चारों को सरे प्रांतीय न्यायालय से जमानत मिल गई है। चारों के खिलाफ अब ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट में अगले महीने 11 फरवरी को सुनवाई होगी।

चारों की जमानत के संबंध में ब्रिटिश कोलंबिया सरकार के न्याय विभाग की वेबसाइट पर जानकारी अपलोड की गई है। दस्तावेज में चारों आरोपियों की हिरासत की स्थिति के सामने एन लिखा हुआ है। करण बराड़, कमलप्रीत सिंह, करणप्रीत सिंह और अमनदीप सिंह पर फाइल नंबर 256562 के अंतर्गत कार्रवाई हो रही है। इसकी पड़ताल करने पर पता लगा कि चारों पर हत्या की साजिश और हत्या करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के रिकॉर्ड्स के मुताबिक करण और कमलप्रीत का जन्म 2001 में हुआ, अमनदीप 2002 में जबकि करणप्रीत 1995 में जन्मा है।

ब्रिटिश कोलंबिया के सरे और एडमॉन्टन शहर में 1 मई, 2023 को हुई वारदात के सिलसिले में इन चारों को 18 जून 2023 को पकड़ा गया।

ब्रिटिश कोलंबिया की इंटीग्रेटेड हॉमिसाइड इंवेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) के मुताबिक, इन लोगों पर हत्या की साजिश रचने के साथ-साथ हत्याकांड को अंजाम देने के आरोप भी लगे हैं। हालांकि, कनाडाई मीडिया के भारत से लिंक होने की जो अटकलें लगाई जा रही थीं, उसके बारे में पुलिसकर्मियों ने कोई सबूत नहीं दिया।

चारों की गिरफ्तारी के समय विदेश मंत्रालय ने इस बात को दोहराया था, कनाडा ने निज्जर की हत्या के मामले को खास सबूत या जानकारी भारत को नहीं दी है और इस मामले में कथित रूप से शामिल भारतीयों की गिरफ्तारी पर भारत को कोई औपचारिक सूचना नहीं गई है।

निज्जर की सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि इस हत्याकांड में भारत की संलिप्तता है। हालांकि, भारत ने बार-बार इन आरोपों का खंडन किया है। ट्रूडो के इस आरोप के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई थी। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ा और दोनों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्काषित कर दिया था।

हालांकि, ट्रूडो के आरोपों के बाद से अब तक कनाडा ने इस मामले में भारत सरकार के साथ सबूतों को साझा नहीं किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कई मौकों पर कहा कि अगर कनाडा के पास इस हत्या से जुड़ा कोई सबूत है, तो भारत उसकी जांच करने के लिए तैयार है।

# दुनिया देख रही है,हमें कुछ करना होगा : बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर भारतीय अमेरिकी सांसद

**वाशिंगटन,09 जनवरी 2025।** भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने मंगलवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ हो रही हिंसा और उत्पीडन् के खिलाफ फिर से आवाज उठाई। मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने अगस्त 2024 में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद के हालात पर बात की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृष्णमूर्ति ने शेख हसीना के पद छोडने् के बाद हिंदुओं पर हमलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और उत्पीडन् के खिलाफ आवाज उठाता हूं। 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, अनुमानत= 300,000 से 30 लाख लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश हिंदू थे। बांग्लादेश में हिंदुओं को आज भी निशाना बनाया जा रहा है - उनके घरों और व्यवसायों को नष्ट कर दिया जा रहा है, और उनके मंदिरों में तोडफ़ोड़ की जा रही है।

# मास्टरमाइंड के वकीलों ने अदालत से की अपील

**» अपना अपराध स्वीकार करने को तैयार है खालिद शेख मोहम्मद**

**वाशिंगटन, 09 जनवरी 2025।** अमेरिका में 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के वकील एक संघीय अपीली अदालत से आग्रह कर रहे हैं कि वह उनके मुवक्किल की तरफ से शुक्रवार को ग्वांतानामो बे, क्यूबा में किए जाने वाले दोषी बयान को मंजूरी दे, जिसमें वह और उनके दो सह-आरोपी अल-कायदा के 11 सितंबर, 2001 के हमलों में मौत की सजा से बचने के लिए दोषी ठहराएंगे। खालिद शेख मोहम्मद के वकीलों ने बुधवार देर रात एक याचिका में कहा कि रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन का यह प्रयास कि वह खुद की तरफ से स्वीकृत और सेना की तरफ से किए गए सौदे को रद्द करें, यह दर्शाता है कि अमेरिका की सरकार और सेना ने पिछले दो दशकों में इस मामले को असावधानी से और लापरवाह तरीके से संभाला है।

**अपना अपराध स्वीकार करने को तैयार खालिद शेख मोहम्मद**

खालिद शेख मोहम्मद शुक्रवार सुबह 9/11 हमलों में अपना अपराध स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, जिसमें 19 अल-कायदा के हाइजैकर्स ने विमानों को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन से टकराया और एक अन्य विमान पेंसिल्वेनिया के एक खेत में गिरा, जिससे लगभग 3,000 लोग मारे गए। कुछ पीड़ितों के परिवार सदस्य ग्वांतानामो में इस समय मौजूद हैं।

**9/11 में 17 साल बाद भी कोई फैसला नहीं**

इस साल गर्मियों में सौदे की घोषणा के बाद रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इसे अचानक रद्द कर दिया था, और बाइडन प्रशासन का न्याय विभाग खालिद शेख मोहम्मद के दोषी बयान को रोकने के लिए कोशिश कर रहा है। 9/11 के मामले में कानूनी और लॉजिस्टिक चुनौतियां आ रही हैं, और 17 साल बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ है। खालिद शेख मोहम्मद, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने हमलों के लिए हाइजैक्ड विमानों का विचार किया, यह मामला अभी भी प्री-ट्रायल सुनवाई में है, जिसकी कोई तारीख तय नहीं हुई है। वकीलों ने यह भी कहा कि यह सौदा पहले ही प्रभावी हो चुका है और रक्षा सचिव को इसे रद्द करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

# ट्रंप प्रशासन में भी जारी रहनी चाहिए सैन्य मदद, 50 देशों की बैठक में बोले जेलेंस्की-ऑस्टिन

**रामस्टीन एयरबेस (जर्मनी), 09 जनवरी 2025।** यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने गुरुवार को अपनी अंतिम बैठक में आने वाले ट्रंप प्रशासन से आग्रह किया कि वह रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन की सैन्य मदद बंद न करे। दोनों नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर अब सैन्य मदद रोकी जाती है तो इससे अधिक आक्रामकता, अराजकता और संघर्ष का आमंत्रण मिलेगा। जेलेंस्की अभी जर्मनी के दौरे पर हैं।

जेलेंस्की ने कहा, हमने इतना लंबा सफर तय किया है कि अब इसे छोड़ देना वास्तव में पागलपन होगा। हमें अपनी रक्षा सहयोग करने वाली टीम को मजबूत करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हर कोई यही सुनिश्चित करना चाहता है कि उनका देश नक्शे से यूं ही मिट न जाए।

**यूक्रेन को 500 मिलियन डॉलर की सैन्य मदद भेजेगा अमेरिका**

वहीं, ऑस्टिन ने घोषणा की कि अमेरिका, यूक्रेन को 500 मिलियन डॉलर की ओर रक्षा मदद भेजेगा, जिसमें लड़ाकू विमानों के लिए मिसाइल, एफ-16 के लिए उपकरण, बख्तरबंद ब्रिज प्रणाली और छोटे हथियार व गोला-बारूद शामिल होंगे। ब्रिज प्रणाली का उपयोग तब किया जाता है, जब किसी नदी, खाई या अन्य बाधा को पार करना हो और उस रास्ते पर पुलिस निर्माण की जरूरत हो। यह मदद अमेरिकी सैन्य भंडार से सीधे भेजी जाएगी और पेंटागन ने इस महीने के अंत से पहले यूक्रेन तक इसे पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

**अगर यूक्रेन को हड़प लिया तो पुतिन की भूख बढ़ती रहेगीः ऑस्टिन**

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा, अगर (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन ने यूक्रेन को हड़प लिया, तो उनकी भूख और बढ़ेगी। ऑस्टिन ने उन 50 सदस्य देशों को संबोधित करते हुए यह बात कही, जो यूक्रेन को हथियारों और सैन्य मदद के समन्वय के लिए बैठक कर रहे थे। यह बैठक जर्मनी के रामस्टीन एयरबेस पर हो रही है। उन्होंने कहा, अगर तानाशाहों को यह लगता है कि लोकतंत्र अपनी हिम्मत खो देंगे, अपने हितों को छोड़ देंगे और अपने सिद्धांतों को भूल जाएंगे और केवल और अधिक जमीन पर कब्जा होते देखेंगे, तो उनको पता होना चाहिए कि आक्रामकता फल भुगतना पड़ता है। यह और अधिक आक्रमकता, अराजकता और संघर्ष को ही आमंत्रित करेगा।

**अब तक 66 अरब डॉलर की मदद भेज चुका पेंटागन**

ऑस्टिन ने कहा, यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को यह बता दिया है कि कई देशों के पास युद्ध लड़ने के लिए पर्याप्त सैन्य भंडार नहीं हैं। इसलिए अमेरिका सहित अन्य देशों ने अपने घरेलू हथियारों का उत्पादन बढा दिया है। अमेरिका अब तक 66 अरब डॉलर की मदद यूक्रेन को भेज चुका है, जिसमें से करीब 80 से 90 फीसदी पहले ही यूक्रेन तक पहुंच चुकी है।

# नेत्रदान कर दूसरों की मदद के लिए आगे आया परिवार

**सीएमएचओ डॉ पीएस मार्को ने आमजनों से भी नेत्रदान करने अपील की**

**- संवाददाता -**

**अम्बिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।**

बुधवार को नोडल एवं नेत्र दान अधिकारी डॉ रजत टोप्पो, नेत्र विभाग शासकीय चिकित्सालय में पदस्थ डॉ अभिजीत जैन एवं उनकी टीम डॉ डोमन साहू, डॉ दीपा वाधवानी, नेत्र सहायक अधिकारी श्री रमेश घृतकर द्वारा अम्बिकापुर के नमनाकला निवासी स्व. श्री ओम प्रकाश भारती उम्र 60 साल के एक पेयर नेत्र दान के रूप में प्राप्त किये गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस मार्को ने इस हेतु मृत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना करते हुए, उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट किया। आगामी दिनों में दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को इस नेत्र दान से रोशनी मिलेगी।

उन्होंने बताया कि आंखों का दान महादान है। लोगों को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। यह नेत्र विभाग शासकीय चिकित्सालय अम्बिकापुर एवं राष्ट्रीय अंधत्व कार्यकम की सफलता है। डॉ मार्को ने आमजनों से अपील करते हुए कहा है कि नेत्रदान के इस पुनीत कार्य में आगे आएं। हम सबको मिल कर इस अभियान को सफल बनाना है तथा कर्नियल-जनित अंधत्व को सरगुजा एवं छत्तीसगढ़ से दूर भगाना है।

# कलेक्टर पहुंचे नवोदय स्कूल,छात्र-छात्राओं की आवासीय सुविधाओं को बढ़ाने तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने अधिकारियों को दिए निर्देश

**- संवाददाता -**

**अम्बिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।**

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने गुरुवार को अम्बिकापुर के खुलीबा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं की सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर सहित विद्यालय के प्राचार्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान बैठक कर सभी से चर्चा की और छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक और आवासीय जरूरतों को जाना, जिसमें प्राचार्य द्वारा अतिरिक्त तीन कक्ष की आवश्यकता संज्ञान में लाने पर कलेक्टर श्री भोसकर ने तत्काल प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने आरईएस के अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी तरह पानी की समस्या के समाधान हेतु पीएचई विभाग को परिसर में बोरवेल हैंडपंप सहित खनन करने और छात्र छात्र के खेल कूद की सुविधा हेतु मैदान के समतलीकरण हेतु सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया। इसी तरह बच्चों को स्वस्थ्य जीवन के प्रति प्रेरित करने परिसर में ओपन जिम तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भोसकर ने कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं से मुलाकात कर उनसे सीधे बात की और आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

**धान संग्रहण केंद्र और चावल गोदाम का निरीक्षण**

कलेक्टर श्री भोसकर ने औचक निरीक्षण की कड़ी में धान संग्रहण केंद्र चिखलाडीह का भी निरीक्षण किया और धान उठाव की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने लोधिमा स्थित चावल गोदाम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं अपने समक्ष चावल की गुणवत्ता का अवलोकन किया। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा चावल संग्रहण हेतु वन विभाग के गोदामों का उपयोग किया जा रहा है। यहां पांच गोदाम हैं, प्रत्येक गोदाम की क्षमता 3200 मीट्रिक टन है। कलेक्टर श्री भोसकर ने यहां सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुविधाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान जिला खाद्य अधिकारी श्री चित्रकांत ध्रुव, डीएमओ मार्कफेड श्री अरुण विश्वकर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत खण्ड स्तरीय बैठक संपन्न

**- संवाददाता -**

**अम्बिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।**

कलेक्टर एवं अध्यक्ष कार्यकारिणी, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना अधिकारी, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा की अध्यक्षता में उदयपुर बीईओ कार्यालय सभाकक्ष में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड उदयपुर में अब तक 286 उल्लास साक्षरता केन्द्र संचालित हैं, तथा ऐसे केंद्र जो कि अभी तक आरंभ नहीं हो पाए हैं, उन्हें जल्द से जल्द प्रारंभ कराएं। साथ ही राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा दिनांक 17 मार्च अथवा 24 मार्च 2025 को संभावित है, जिसे देखते हुये उन्होंने समस्त संकुल समन्वकों व ग्राम प्रभारी को उल्लास साक्षरता केन्द्रों की निरंतर मॉनिटरिंग करने व स्वयंसेवकों को प्रेरित कर साक्षरता कक्षा लगवाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विकासखण्ड परियोजना अधिकारी उदयपुर को संकुल व ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित बैठक करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने पहाड़ी कोरवा व पण्डो जनजाति के असाक्षरों को साक्षरता कक्षा लगाकर जल्द से जल्द साक्षर करने हेतु कहा।

जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री एम सिद्धिकी ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत् जो भी शिक्षार्थी साक्षर हो जायेंगे, उन्हें कौशल विकास से जोड़कर जन शिक्षण संस्थान में संचालित विभिन्न ट्रेडों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें। साक्षरता से जुड़ने वाले बेरोजगार युवाओं को जन शिक्षण संस्थान एवं अन्य विभागों के सहयोग से रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री रविकान्त यादव ने समस्त संकुल समन्वयकों, ग्राम प्रभारियों एवं प्रधान पाठकों को निर्देशित किया कि उल्लास कार्यक्रम अंतर्गत संचालित उल्लास साक्षरता केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें, व स्वयंसेवकों को स्वप्रेरणा से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे विकासखण्ड शत-प्रतिशत साक्षर हो सके।

इस मौके पर विकासखण्ड परियोजना अधिकारी उदयपुर श्री सम्पूरन राँय, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक श्रीमती उषा किरण बखला, सहायक ग्रेड-03 अभिलाष खरे एवं उदयपुर विकासखण्ड के समस्त संकुल समन्वयक, ग्राम प्रभारी व पहाड़ी कोरवा ग्राम के प्रधान पाठक उपस्थित रहे।

CMYK

# पटना नगर पंचायत के अध्यक्ष का पद अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित हुआ...दावेदारों का बिगड़ा समीकरण

- » महिला उम्मीदवार के लिए दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में मंथन हुआ जारी
- » दोनों ही राजनीतिक दलों के पास महिला उम्मीदवार के लिए नहीं है कोई सर्वमान्य चेहरा
- » पूर्व सरपंच गायत्री सिंह के लिए भी मौका,महिला और चुनाव लड़ने का अनुभव उन्हें बनाता है दावेदार







- रवि सिंह -
बैकुंठपुर/पटना,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में नगरीय निकायों के लिए अध्यक्ष पद का आरक्षण कर दिया गया और इस दौरान कोरिया जिले के तीसरे और नव गठित नगर पंचायत के लिए भी अध्यक्ष पद का आरक्षण हुआ जो अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित किया गया। अनारक्षित महिला अध्यक्ष पद का आरक्षण होते ही कई अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों उम्मीदवारों को झटका लग गया और उन्हें अब यह समझ में नहीं आ रहा है कि वह अब क्या करें? वहीं अब बताया यह जा रहा है कि संभावित उम्मीदवारों ने अपने घर से महिला दावेदारों उम्मीदवारों को तैयार करने की तैयारी कर ली है और वह अब घर की ही महिला के सहारे अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास करेंगे। वैसे दो प्रमुख राजनीतिक दल की तरफ से कई दावेदार सामने आ चुके थे और अब वह अपने अपने घर से महिला दावेदार पार्टी के सामने रखने प्रयासरत हैं यह पता चल रहा है लेकिन जिस तरह अब महिला के लिए अध्यक्ष पद आरक्षित हुआ है कई नाम सामने आने लगे हैं जिनमें से अब दोनों दलों को अपने अपने लिए उम्मीदवार का चयन करना है। वैसे जो भी नाम महिलाओं के सामने आ रहे हैं वह ऐसे नाम है अधिकांशतः जिनका सामाजिक पृष्ठभूमि से कोई लेना देना नहीं रहा है और न ही उनका समाज में कोई उत्कृष्ट योगदान रहा है।

### पार्टियां उम्मीदवार चयन के लिए क्या आधार तय करती हैं

बता दें कि महिला दावेदारों के नामों के बीच अब समीक्षा इस बात की होनी है कि किस महिला उम्मीदवार के घर के लोग सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए हैं और समाज के लिए थोड़ा बहुत ही सही उनके परिवार उनका योगदान है। ज्यादातर जो दावेदारी कर रहे हैं वह व्यावसायिक पृष्ठभूमि के लोग हैं और उनका सामाजिक सरोकार व्यापार व्यवसाय रहा है और वह राजनीति में आकर भी व्यापार व्यवसाय करेंगे यह भी लोगों का मानना है। भाजपा कांग्रेस अमूमन दोनों ही दलों के लिए स्थिति एक जैसी है उम्मीदवार तलाशने के मामले में वहीं यदि तुलनात्मक देखा जाए तो कांग्रेस में एक दो महिला उम्मीदवार जो दावेदार हैं ऐसे हो सकते हैं जिनके पास राजनीतिक अनुभव है। वैसे राजनीतिक अनुभव के मामले में पंच जैसे पदों का अनुभव पात्रता की सीमा से अलग माना जाना चाहिए क्योंकि पंच का चुनाव और अध्यक्ष का नगरीय निकाय का चुनाव बिल्कुल विपरीत परिस्थितियों का चुनाव है चुनौतियों का चुनाव है इसलिए अब पार्टियां उम्मीदवार चयन के लिए क्या आधार तय करती हैं यह देखने वाली बात होगी।

### पूर्व सरपंच पर कोई राजनीतिक दल दांव लगाए?

इस बीच पूर्व सरपंच को भी अवसर मिल गया है दावेदारी और उम्मीदवारी का और उनका भी पलड़ा भारी हो गया है क्योंकि महिला योग्य और सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़ाव का उनका एक पक्ष मजबूत पक्ष सामने है और जिसमे अनुभव राजनीतिक उनका उनकी दावेदारी उम्मीदवारी को प्रबल बनाता है। पूर्व सरपंच पर कोई राजनीतिक दल दांव लगाए न लगाए वहीं वह निर्दल भी यदि चुनाव लड़ जाएं वह मतदाताओं के सामने एक विचारणीय प्रत्याशी जरुर होंगी और अब वह यदि किसी दल के पास अपनी दावेदारी रखती है तो यह भी एक अलग मामला होगा कि दल कोई उन्हें मौका देता है नहीं देता है, वैसे पूर्व सरपंच उम्मीदवारी जरूर दर्ज करेंगी यह तय नजर आ रहा है और यदि उनके आधे भी समर्थक उनके साथ आ गए वह चुनाव में मजबूती से खड़ी नजर आएगी यह भी तय है।

### कांग्रेस पार्टी से कौन होगा पार्टी का उम्मीदवार यह कौन करेगा तय,यह देखने वाली होगी बात...

कांग्रेस पार्टी किस महिला दावेदार पर दांव लगाएगी और कौन उम्मीदवार होगा इसका निर्णय कौन लेगा यह देखने वाली बात होगी। कांग्रेस पार्टी के पास विकल्पों की कमी नहीं है। कांग्रेस में कई महिला दावेदारों की बात उम्मीदवारी के लिए सामने आ रही है और जिनमें कुछ काफी वरिष्ठ हैं और अनुभवी भी हैं। कांग्रेस पार्टी से दावेदारों की यदि बात की जाए तो महिला दावेदारों की संख्या यहां अनगिनत है और अब उनमें से एक का चुनाव पार्टी को करना है। वैसे प्रत्याशी का चयन कौन करेगा यह भी देखने वाली बात होगी। पार्टी ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल को पटना नगर पंचायत चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाया है और उनका पहला ही दौरा बैठक काफी चर्चा का विषय बना नाराजगी पार्टी के लोगों में दिखी जिसके बाद उन्हें फिर आना पड़ा और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ बैठक लेना पड़ा। पटना के लिए थोपा हुआ उम्मीदवार कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं बर्दाश्त करेंगे यह तय माना जा रहा है वहीं पटना के लिए उम्मीदवार का चयन पटना की ही बैठक में हो पर्यवेक्षक की उपस्थिति में और वरिष्ठ लोगों के बीच यह मांग सामने आ रही है।

वैसे पार्टी का क्या निर्णय सामने आयेगा यह तो पता नहीं लेकिन यह तय है कि कांग्रेस में प्रत्याशी का चयन काफी सोच समझकर पार्टी को करना पड़ेगा और इसके लिए सभी की राय से ही निर्णय लेना होगा।

### भाजपा के लिए महिला उम्मीदवार की तलाश काफी मुश्किलों वाला मामला

भाजपा के लिए महिला उम्मीदवार का चयन करना काफी मुश्किल वाला मामला है। भाजपा से वही दावेदार सामने हैं जो पहले अपने लिए प्रयासरत थे और महिला आरक्षित होते ही सीट वह अपने घर की महिलाओं के नाम के साथ अब सामने हैं। भाजपा से कई संभावित नामों के बीच यह देखने वाली बात है कि सत्ताधारी दल होते हुए भाजपा किसे मौका देती है। भाजपा के लिए यह चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण है। वैसे अभी तक जिन नामों की सुगबुगाहट है उनमें से कई नामों को लेकर यह बात सामने आ चुकी है कि विशुद्ध रूप से व्यापारिक पृष्ठभूमि वाले किसी को मौका देना वह भी पहली बार सही नहीं है क्योंकि राजनीति के लिए सामाजिक सरोकारों से वास्ता जरूरी है जो किसी वर्तमान में सामने आ रहे नाम का नहीं है। वैसे कुछ को लेकर लोगों का कहना है कि जब इन्हीं में से कुछ लोगों के परिवार के लोगों को राजनीति में मौका मिला पद मिला सेवा का अवसर मिला तब उन्होंने अपना विकास किया और अब वह पटना के विकास की बात कर टिकट मांग रहे है।बता दें कि लोगों का कहना है कि हाल फिलहाल की नहीं पूरी पृष्ठभूमि की जांच जरूरी है तब टिकट दिया जाना चाहिए क्योंकि जब पार्टी के लिए कठिन दौर होता है व्यावसायिक पृष्ठभूमि वाले अपने व्यवसाय में मस्त रहते हैं और तब संघर्ष करने वाला सत्ता में असली हक से वंचित हो जाता है।

### इस चुनाव में संबंध होंगे खराब

इस चुनाव में आपसी संबंधों के भी खराब होने की संभावना होगी।

कई लोग खुद को अध्यक्ष सहित पार्षद बनना देखना चाहते हैं और ऐसे में वह अलग अलग दावेदारी करेंगे वहीं टिकट नहीं मिलने की स्थिति में पार्टियों से कई निर्दलीय भी चुनाव लड़ेंगे,अब इस बीच उनका आपसी सामंजस्य बिगड़ेगा क्योंकि कई लोग आज मधुर संबंधों के साथ साथ हैं वहीं आगे वह एक दूसरे के सामने प्रतिद्वंदी होंगे।

### पूर्व सरपंच का पलड़ा अब नजर आने लगा भारी

पूर्व सरपंच जो नगर पंचायत गठन के बाद से ही चुनाव में कहीं प्रत्याशी नजर नहीं आ रही थीं वहीं जैसे ही अनारक्षित महिला का आरक्षण सामने आया वैसे ही अब उनका पलड़ा भारी हो गया। वैसे मामला पटना की जनता से जुड़ा है निर्णय भी उनका ही होगा लेकिन अब पूर्व सरपंच का पक्ष मजबूत नजर आ रहा है चुनाव में यह कहना गलत नहीं है।

# कंप्यूटर ऑपरेटर बना समिति प्रबंधक... समिति प्रबंधक बना कंप्यूटर ऑपरेटर... अब गड़बड़ी धान खरीदी में पकड़ी रफ्तार

- » किसान के धान अब नहीं आ रहे हैं अब बिचौलिए व राइस मिलर से आने वाले धान चट पर चढ़ रहे
- » धान खरीदी में व्यवस्था कुछ नहीं सिर्फ अपने आवक की चिंता में समिति के प्रबंधक व कर्मचारी
- » कंप्यूटर ऑपरेटर विवेक बना समिति प्रबंधक, समिति प्रबंधक सतेश्वर बना कंप्यूटर ऑपरेटर ये दोनों मिलकर खरीदी केंद्र में कर रहे हैं गड़बड़ी:सूत्र
- » क्या सोनपुर धान खरीदी केन्द्र में चल रही है प्रबंधक की तानाशाही?
- » उपार्जन केंद्र में हम्माली करने को विवश अन्नदाता कृषकों को नहीं मिल रही किसी प्रकार की सुविधा
- » कीसानो से 40 किलो 700 ग्राम की जगह कीसानो से लिया जा जा रहा है 41 कीलो 200 ग्राम धान क्यों?
- » आखिर कौन है समिति प्रबंधक पर मेहरबान?





विवेक

सतेश्वर

-शमरोज खान-
सूरजपुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

धान खरीदी अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है अब समाप्ति के साथ गड़बड़ी होने की आशंका भी बढ़ती जा रही है, किसान अपनी धन लगभग बेच चुके हैं पर चट्टा से बोरियां काम नहीं हो रही जबकि उठाओ भी लगातार हो रहे हैं ऐसे में अब इस बात की आशंका अधिक हो गई है कि अब बाहरी धन किसान के बच्चे खाते में डालकर बिचौलिए राइस मिलर सहित समिति प्रबंधक व कर्मचारी अब भ्रष्टाचार का खेल शुरू कर दिए, पर यह बात शायद कार्यवाही करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों के बीच समझ में नहीं आ रहा है, जिस वजह से वह भी इनके इस फार्मूले से अनजान है, पर इस फार्मूले में धान खरीदी समिति के प्रबंधक मालामाल हो जाएंगे, यह अब तय माना जा रहा है कुछ ऐसा ही मामला इस समय सोनपुर धान खरीदी केंद्र का भी सामने आ रहा है, जहां पर मनमानियां का दौरा बढ़ा हुआ है साथ ही वहां पर जो समिति प्रबंधक था वह ऑपरेटर हो गया है और जो कहीं पर कंप्यूटर ऑपरेटर था वह समिति प्रबंधक हो गया है, दोनों की मिलीभगत से जमकर अब धान खरीदी में भ्रष्टाचार हो रही है ऐसा सूत्रों का दावा है।

सूरजपुर जिले के भैयाथान ब्लाक अंतर्गत सोनपुर धान खरीदी केंद्र में प्रबंधक द्वारा मजदूरों को काम पर नहीं लगाया गया है, परिणाम स्वरूप केंद्र में धान बेचने आ रहे किसानों को ही विवशता में हम्माली करनी पड़ रही है। मजबूरीवश किसानों को अपने लाए हुए धान को स्वयं ही केंद्र से मिले बारदानों में धान की पलटी कर, सिलाई करके छल्ली लगाना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदारों ने सब जानने के बाद भी अपनी आंखे बंद रखी हुई है। धान खरीदी के लिए शासन द्वारा जारी किया गया दिशा निर्देश की जानकारी क्षेत्र के किसानों को नहीं होने का पूरा फायदा धान खरीदी प्रबंधक द्वारा उठाया जा रहा है। यहां प्रबंधक के तानाशाही का आलम यह है कि उपार्जन केंद्र में बारदाना और टोकन के लिए किसान घंटो इंतजार करते रहते हैं। सोनपुर धान खरीदी केन्द्र में प्रबंधक द्वारा न तो किसानों के बैठने के लिए व्यवस्था किया है और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है। सोनपुर खरीदी केंद्र में इन तमाम कमियों के कारण किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस मामले में अभी तक जिम्मेदार प्रशासन द्वारा गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने बताया कि सोनपुर उपार्जन केंद्र में यह समस्या हर साल होती है जिसके कारण हम किसान खुद ही मजदूर व सूजा, सुतली, तौल के लिए कांटा स्वयं लेकर आते हैं और यहां का सारे कार्य करते हैं। किसानों ने बताया ट्रेक्टर से धान उतार कर बारदाना में भरते हैं, उसके बाद खुद ही तौल करते हैं, तौल करने के बाद धान से भरे बारदाने को कंधे पर उठाकर छल्ली लगाते हैं।

### सतेश्वर पर पूर्व में भी धान खरीदी में गड़बड़ी के मामले में हो चुका है एफआईआर

सूत्रों के अनुसार सतेश्वर साहू जो इस समय कंप्यूटर ऑपरेटर सोनपुर धान खरीदी केंद्र के बनाए गए हैं जबकि उनके ऊपर 2019-20 के धान खरीदी के समिति प्रबंधक थे उसे दौरान इनके खरीदी में गड़बड़ी पाए जाने पर उनके विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज हुआ था इस बार इन्हें सिर्फ पर्दे के पीछे रख के पूरा काम कराया जा रहा है क्योंकि यह काफी अनुभवी है और धान खरीदी केंद्र में गड़बड़ी करने का इन्हें काफी लंबा अनुभव है, जिस वजह से वह पर्दे के पीछे से धान खरीदी में गड़बड़ी कर रहे हैं ऐसा सूत्रों का दावा है।

### प्रबंधक की चल रही तानाशाही

धान की खरीदी के लिए सोनपुर उपार्जन केंद्र में प्रबंधक वीवेक चोरसिया को लगाया गया है, पर इसकी तानासाही रवैया कम नहीं दिख रहा है। जिस वजह से किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थिति यह है कि किसानों को केंद्र में सूजा, सुतली व कांटा तक नहीं मिलता है। उपार्जन केंद्र में धान की खेप लाने वाले किसान स्वयं से सूजा, सुतली, कांटा व मजदूरों लेकर आते हैं, और काफी मशक्कत करने के बाद केंद्र से मिले बारदाना में धान की पलटी कर सिलाई व तौल कर, लाट में छल्ली लगा रहे है। किसानों को कथित प्रबंधक द्वारा किसी प्रकार की सुविधा केन्द्र में नहीं दी जा रही है। यहाँ न तो बैठने की व्यवस्था और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है।

### किसानों को नहीं मिल रही सुविधा

शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान क्रय विक्रय के लिए भले ही किसानों के हित में व्यवस्था बनाई गई है, ताकि धान विक्रय के लिए केंद्र में आने वाले किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न होने पाए और जिले के कलेक्टर के द्वारा भी सख्त निर्देश दिया गया है कि किसानों को खरीदी केंद्रों में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। लेकिन सोनपुर उपार्जन केंद्र में किसानों का लगातार शोषण हो रहा है। यहाँ किसानों को किसी तरह की कोई सुविधा नहीं दी जा रही, यहां तक कि पीने का पानी तक किसानों को नहीं मिल पा रहा है। बारदाना व टोकन के लिए भी किसानों को केंद्र में घंटों इंतजार करते हुए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि धान की उपज हमारा है और बिक्री करना है, इसलिए हम लोग उपार्जन केंद्र का सारा कम मजबूरी में स्वयं करते है।


**न्यायालय तहसीलदार**
**सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0**

क्र. 914 राजस्व प्रकरण क्र./ब 121 /2024/ 03.01.2025

**ईश्तहार**

आवेदिका का नाम सुबासो आ0 स्व सुमंत जाति-गोड़ निवासी ग्राम सूरजपुर प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने (पति) स्व0 सुमंत मृत्यु दिनांक 21/11/1995 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 20/01/2025 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/01/2025 को जारी किया जाता है

(सील) तहसीलदार
सूरजपुर

**न्यायालय तहसीलदार**
**सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0**

क्र. 920 राजस्व प्रकरण क्र./ब 121 /2024-25/ 07.01.2025

**ईश्तहार**

आवेदक का नाम श्याम दास पिता सहदेवच राम जाति-पनिका निवासी चन्दरपुर ग्राम चन्दपुर प0ह0नं0 : थाना-सूरजपुर,तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने (बाबा) लक्ष्मण राम पिता लोधू राम मृत्यु दिनांक 16/12/1998 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 21/01/2025 दिन-मंगलवार को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2025 को जारी किया जाता है

(सील) तहसीलदार
सूरजपुर

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ**

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

**ईश्तहार**

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सोहागपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री प्रदीप कुमार पिता रामसिगार जाति नाई निवासी ग्राम सोहागपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सोहागपुर प0ह0नं0 21, रा0नि0मं0 पचिरा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1323 रकबा 0.020 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 22/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/अपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 08/01/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

**न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202501020700077**

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015।(हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-सचनू,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

**ईश्तहार**

आवेदक सचनू पिता चतूरी प्रसाद निवासी अम्बिकापुर, मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1789/60 रकबा 0.024 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2025 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार
अंबिकापुर

**न्यायालय तहसीलदार**
**अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0**

रा.प्र.क्र. /ब-121/2024-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तनजू अग्रवाल आ0 स्व0 कलीराम अग्रवाल निवासी डाईट के पीछे फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 334/167 रकबा 0.017 हे0 भूमि को अनावेदक अंकित अग्रवाल आ0 राधेश्याम अग्रवाल निवासी साउथ आवन्यू कॉलोनी रायपुर जिला रायपुर जिला रायपुर छ0ग0 के पास अंकित राशि रूपये 35,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 22/01/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित हेकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) तहसीदार
अंबिकापुर,सरगुजा

**कार्यालय अधीक्षण अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर**
निविदा आमंत्रण तिथि-06/01/2025

**ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना**

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Lig in करें http://eproc.cgstate.gov.in
2. संबंधित संभाग- स.क्रं. 01 से 03 जशपुर स.क्रं. 04 से 05 अम्बिकापुर एवं स.क्रं. 06 मनेन्द्रगढ़ संभाग
3. स.क्रं. 01,02,05,06 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार एवं स.क्रं. 03,04 - 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
4. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - स.क्रं. 1- 17.01.2025 एवं स.क्रं. 02 से 06 - 27.01.2025

| स. क्र. | एन.आई. टी.क्र. | कार्य की अनुमानित लागत लागत (रू0 लाख) | अमानत लागत (लाख में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | 163 | उपसंभाग जशपुर क्रं.1 अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत का कार्य । (तृतीय आमंत्रण) | 50.00 |
| 21 | 164 | जिला जशपुर के शंख (लोदाम) में चेक पोस्ट कार्यालय भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण) | 35.77 |
| 3 | 165 | जिला जशपुर के घोरडेगा बस्ती पहुंच मार्ग लंबाई 1.52 कि0मी0 पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण) | 169.04 |
| 4 | 166 | जिला सरगुजा के डिगमा से इंजीनियरिंग कालेज पहुंच मार्ग लंबाई 0.80 कि.मी. पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। (वास्तविक लंबाई 1.045 कि.मी.(प्रथम आमंत्रण) | 124.42 |
| 5 | 167 | अम्बिकापुर केरता जगन्नाथपुर प्रतापपुर मार्ग के कि.मी. 01 से 042 तक बी.टी. पैच एवं अन्य कार्य। (प्रथम आमंत्रण) | 84.82 |
| 6 | 168 | जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में जिला परिवहन कार्यालय भवन, चेकपोस्ट (घुटरी टोला का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) | 35.39 |

जी0नं0 -242505166/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

# कटकोना में स्व.अंजनी कुमार मिश्र स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

» खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ करते अतिथि

- संवाददाता -
कोरिया/पटना,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कटकोना के एसईसीएल खेल मैदान में बुधवार को स्व. अंजनी कुमार मिश्र स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ बैकुन्ठपुर सौम्य महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती पूनम झा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा स्व. अंजनी कुमार मिश्र के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजक योगेन्द्र मिश्रा सहित अन्य सदस्यों ने मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम झा, सहक्षेत्र प्रबंधक कटकोना सुरेश राम, एचएमएस एरिया अध्यक्ष हरि यादव, विनोद शर्मा, दिनेश शर्मा, अजय सिंह, पूर्व सरपंच लक्ष्मण नायक, सरपंच बिरंची सिंह, उप सरपंच डां. केके शर्मा, केके विश्वकर्मा का पुष्प गुच्छ एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजक योगेन्द्र मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों एवं खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रतियोगिता का यह पांचवा वर्ष है, प्रत्येक वर्ष क्रिकेट खिलाड़ियों के द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया जाता है इस वर्ष भी अभी तक 18 क्रिकेट टीमों ने अपना पंजीयन कराया है वहीं अभी भी पंजीयन का कार्य चल रहा है प्रतियोगिता में लगभग 35 क्रिकेट टीमों के शामिल होने का अनुमान है।

बता दें कि कटकोना के एसईसीएल खेल मैदान में प्रत्येक वर्ष श्रमिक संगठन एचएमएस के क्षेत्रिय सचिव योगेन्द्र मिश्रा के भाई स्व. अंजनी मिश्र जो पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे जिनकी सड़क दुर्घटना में निधन हो गया, वे क्रिकेट व फूटबाल खेल के प्रति अच्छा लगाव रखते थे इसलिए उनकी याद में उनके बड़े भाई योगेन्द्र मिश्रा व उनके सहयोगियों के द्वारा लगातार पांच वर्षों से प्रतियोगिता का आयोजन करते आ रहे हैं।

### नवापारा ने 26 रनों से जीता पहला मैच

खेल मैदान में अतिथियों द्वारा फीता काट कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया तत्पश्चात प्रतियोगिता का पहला मैच नवापारा एवं बड़सरा के बीच प्रारंभ हुआ। टास जीत कर नवापारा क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने पहले बल्ले बाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 115 रन बनाकर 116 रनों का लक्ष्य रखा वहीं दूसरी पारी में बैटिंग करने उतरी बड़सरा क्रिकेट टीम के खिलाड़ी 89 रन ही बना सके इस तरह से 26 रनों से नवापारा की टीम विजयी रही। मेन आफ द मैच का पुरस्कार बैटिंग कर 9 बाल में 27 रन व बालिंग कर 2 विकेट लेने वाले नवापारा टीम के खिलाड़ी मुकेश को दिया गया।

# जल जीवन मिशन का कार्य ठेकेदार की लापरवाही के कारण चढ़ रहा भ्रष्टाचार की भेंट

## जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान संग्रहण पर लगातार की जा रही है कार्यवाही

» अलग अलग मामलों में 330 बोरा धान जप्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

विगत दिवस तहसीलदार मो.इजराइल खान के नेतृत्व में खाद्य विभाग, राजस्व एवं सूरजपुर मंडी के संयुक्त टीम के द्वारा जिले के ग्राम लोधिमा के ललित राजवाड़े के पास अवैध रूप से संग्रहित धान की जप्ती की गई है। इस दौरान कार्यवाही कर 100 बोरा धान वजन 40 क्विंटल अनुमानित जब्त किया गया है। इसके अलावा टीम द्वारा ग्राम बसदेई में पंकज केसरवानी के दुकान में अवैध रूप से भंडारित 50 बोरे धान वजन 20 क्विंटल अनुमानित तथा नारेश्वर प्रसाद गुप्ता से 180 बोरे वजन 72 क्विंटल लगभग धान जब्त किया गया।

» क्या नहीं हो रही है निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच?
» क्या विभागीय उच्च अधिकारियों का ठेकेदार को खुला संरक्षण है भ्रष्टाचार करने के लिए?
» कैबिनेट मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निर्माण कार्य में खुलेआम निर्माण कार्य कि धज्जियां उड़ रही है क्या मंत्री इस महात्वाकांक्षी योजना के निर्माण कार्य को संज्ञान लेंगे ?

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

खड़गवां जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत खड़गवां में लाखों रूपए की लागत से जल जीवन मिशन के तहत पानी टंकी का निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है खड़गवां विकास खंड को भ्रष्टाचारियों के लिए सबसे सुरक्षित विकासखण्ड के रूप में माना जाता है। इस विकास खंड में जितने चाहे बड़े छोटे निर्माण कार्य एवं घोटाले कर लो बोलने वाला कोई नहीं है इसलिए निर्माण कार्यों को करने वाले ठेकेदार खुलकर भ्रष्टाचार करते हैं। और भ्रष्टाचार करने वाले ठेकेदारो पर ना तो विभाग और ना ही प्रशासन इन पर कार्रवाई करने की जरूरत समझता है निर्माण कार्य को करने वाले अधिकारी तो ठेकेदार पर मेहरबान बनकर भ्रष्टाचार का साथ देते हैं।

ग्राम पंचायत खड़गवां में नव निर्मित लाखों रुपए की लागत से निर्माणाधीन पानी टंकी के निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा खुलकर भ्रष्टचार करते हुए घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस पानी टंकी के निर्माण कार्य में जिस इस्टीमेट और जिस गुणवत्ता युक्त निर्माण सामग्री का उपयोग कर पानी टंकी का निर्माण कार्य किया जाना है उस पानी टंकी में निर्माण सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है गुणवत्ता विहीन निर्माण समाग्री का उपयोग कर पानी टंकी का निर्माण कराया जा रहा है इस पानी टंकी के निर्माण कार्य में लोकल ब्रांड के छड़ सीमेंट और गुणवत्ता विहीन गिट्टी रेत एवं जिस मात्रा में उपयोग किया जाना है वो पानी टंकी में उपयोग नहीं किया जा रहा है।

मजेदार बात है कि निर्माण स्थल पर किसी प्रकार का बोर्ड नहीं लगा है जिसमें किस विभाग के द्वारा निमार्ण कार्य कराया जा रहा है लागत कितने की है, निर्माण एजेंसी कौन है, मजदूरों की मजदूरी दर कितनी है, इसकी भी जानकारी का बोर्ड निमार्ण स्थल पर नहीं है जबकि विभाग के इंजिनियर एस डी ओ निर्माण कार्य का अवलोकन निरीक्षण करने आते होंगे तो क्या इन्हें निर्माण स्थल पर बोर्ड दिखाई नहीं दिया होगा या लगवाने की जरूरत नहीं समझी गई ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी का निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन और मनमाने तरीके से कार्य को कर रहा है।

### मुख्यालय से महज चंद मीटर दूरी पर बने जल जीवन मिशन के तहत दो निर्माणाधीन पानी टंकी की स्थिति क्या होगी सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है

इसी तरह खड़गवां मुख्यालय में निर्मित पानी टंकी ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता विहीन निर्माण समाग्री से निर्माण कार्य किया जाने के कारण लाखों रुपए की लागत से बना है जो जर्जर स्थिति में बदल गया है। और फिर खड़गवां मुख्यालय में निर्माणाधीन पानी टंकी उसी के तर्ज पर निर्माण कार्य हो रहा है जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने कलेक्टर कोरिया से मांग की है कि लाखों रुपए की लागत से बने पानी टंकी कि तरह ये जल जीवन मिशन की पानी टंकी भी भ्रष्टाचार की भेंट ना चढ़ जाए इसकी जांच कराकर संबंधितो पर कार्यवाही करते हुए गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य कराया जाए।

### लाखों की लागत से हो रहे हैं मुख्यालय में घटिया पानी टंकी का निर्माण कार्य

इस लाखों की लागत से हो रहे जल जीवन मिशन के तहत पानी टंकी निर्माण कार्य को घटिया सामग्री नानट्रेड छड का उपायोग कर निर्माण कार्य कर रहे हैं। भ्रष्टाचार की पोल न खुल जाये इसलिए ठेकेदार द्वारा किसी प्रकार का कोई बोर्ड कार्य स्थल पर नहीं लगाया गया है जिससे किसी प्रकार कि कोई जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को प्राप्त नहीं हो रही है। जबकि कार्य प्रारंभ होने से पहले निर्माण स्थल पर बोर्ड पर निर्माण संबंधित जानकारी अंकित किया जाना होता है।

# मेसर्स झूलेलाल कृषि सेवा केंद्र में खाद बिक्री पर लगा प्रतिबंध

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार एवं उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में जिले में कृषि विभाग की टीम द्वारा अम्बिकापुर के कृषि सामग्री विक्रेता दुकानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में उर्वरक निरीक्षक अम्बिकापुर श्री जे.आलम एवं उनकी टीम द्वारा विकासखण्ड अम्बिकापुर के ग्राम सोहगा स्थित मेसर्स झूलेलाल कृषि सेवा केंद्र के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित फर्म के द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम व उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन कर व्यापार किया जा रहा था। जिसमें क्रेता को कैश क्रेडिट मेमो जारी न करना, उर्वरक भण्डारण वितरण पंजी का संधारण न करना, बोर्ड पर उर्वरक स्कंध व बिक्री दर का प्रदर्शन न करना, पौश मशीन से भौतिक स्कंध का मिलान नहीं, अनुज्ञप्ति प्रमाण पत्र स्पष्ट दिखने वाले स्थान पर न पाया जाना एवं भूमिहीन किसानों को अंगुठा लगवाकर यूरिया खाद की बिक्री के साथ- साथ अन्य अनियमितता पाई गई। जिस पर उर्वरक निरीक्षक जे. आलम एवं उनकी टीम द्वारा बडी कार्यवाही करते हुए परिसर में उपलब्ध खाद की बिक्री पर 21 दिनों के लिए तत्काल प्रतिबंध लगाया गया।

# प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों का अंबिकापुर से आए मिशन प्रेरकों ने किया निरीक्षण

- संवाददाता -
कुसमी,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी के विभिन्न वार्डों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन आवासों का निरीक्षण करने क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर से मिशन प्रेरक विकास दुबे एवं राजेश सिंह आए थे जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों अवलोकन किया जहां पर हितग्राहियों से प्रेरकों एवं नगर पंचायत की टीम के द्वारा बातचीत कर रुके हुये कार्यों की जानकारी भी

ली गई हितग्राहियों को रुके हुए निर्माण कार्यों को जल्द शुरू कर मार्च 2025 तक पूर्ण करने के लिए कहा गया है। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत कुसमी क्षेत्र के लिए कुल 599 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था , जिनमें 406 आवास निर्मित भी हो चुके,निरीक्षण में नगर पंचायत कुसमी के सीएमओ अरविंद विश्वकर्मा, सब इंजीनियर महेंद्र पैकरा, सीएलटीसी सत्यम सोनी,पीआईयू राहुल बेक आर्किटेक्ट से सर्वेयर कुंदन गुप्ता शामिल रहे।

# मंदिर से 200 साल पुरानी स्वयं प्रकट भगवान की मूर्ति चोरी,ग्रामीणों में आक्रोश

» ग्रामीणों द्वारा असामाजिक तत्वों की करतूत का जताया गया है अंदेशा, देवस्थल पर काफी संख्या में जुटे ग्रामीण,पुलिस को मामले की दी गई है सूचना

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लुंड्रा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सिलसिला में देवस्थल से भगवान की मूर्ति चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी का पता तब चला जब बैगा यहां पूजा करने पहुंचे। खबर मिलते ही गांव के लोग देवस्थल के पास इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि बरगद पेड़ के नीचे मंदिर में ब्रह्मदेव की स्वयं प्रकट पत्थर की मूर्ति थी। यह मूर्ति 200 साल से भी अधिक पुरानी बताई जा रही है। चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है। इसकी सूचना रघुनाथपुर चौकी पुलिस को दी गई है।

लुंड्रा ब्लॉक के रघुनाथपुर चौकी अंतर्गत ग्राम सिलसिला में स्कूल के पीछे बरगद पेड़ के नीचे सालों पुरानी ब्रह्मदेव की पत्थर की मूर्ति थी। मूर्ति का आकार करीब 2 फीट है। इसकी पूजा गांव के लोग लंबे समय से करते आ रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस जगह पर मूर्ति थी, वहां बाद में मंदिर बना दिया गया। बैगा यहां कुछ-कुछ दिनों में पूजा करने आते थे। गुरुवार की सुबह जब बैगा पूजा करने पहुंचे तो मंदिर के भीतर से भगवान की मूर्ति गायब थी।

यह खबर उन्होंने ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण मंदिर के पास इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति चोरी की गई है। इसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है।

### साल पुरानी थी मूर्ति

ग्रामीणों का कहना है कि यह मूर्ति 200 साल से भी पुरानी थी। मूर्ति चोरी होने से उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि 15 दिन पूर्व जब बैगा पूजा करने आए थे तो मूर्ति यहां विराजमान थी।

पूर्व में एक धर्म विशेष के लोगों द्वारा यहां गंदगी की गई थी, इसे लेकर विवाद भी हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे ही असामाजिक तत्वों द्वारा यह कृत्य कर सामाजिक सौहार्द्र बिगाडने का प्रयास किया गया है।

### पुलिस चौकी में दी गई सूचना

घटना की सूचना पर लुंड्रा के मंडल अध्यक्ष सतीश जायसवाल व पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह भी पहुंचे थे। मंदिर से मूर्ति चोरी होने की सूचना ग्रामीणों द्वारा रघुनाथनगर चौकी पुलिस को दी गई है। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची थी। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत एसपी से भी करने की बात कही है।

## निधन

### स्व. देवशरण साहू

- संवाददाता -
पटना,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम खांड़ा डबरीपारा निवासी ठेकेदार देव शरण साहू 56 वर्ष का बुधवार 8 जनवरी को आकस्मीक निधन हो गया, अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम खांड़ा में 9 जनवरी गुरूवार को किया गया, मुखाग्नी उनके बड़े पुत्र कमलेश साहू ने दिया, अंतिम संस्कार में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, ग्रामिण व स्नेहीजन काफी संख्या में शामिल हुए, वे अपने पीछे दो पुत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए उनके निधन से गांव में शोक व्याप्त है।

### आईटीआई कॉलेज में प्रशिक्षण अधिकारी के विरुद्ध रिक्त पद हेतु मेहमान प्रवक्ता के लिए आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
सूरजपुर,09 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रशिक्षण सत्र 2024-25 के लिए नोडल क्षेत्र सूरजपुर अंतर्गत संचालित आईटीआई कॉलेज में प्रशिक्षण अधिकारी के विरूद्ध रिक्त पद हेतु एक वर्ष के लिए फिटर एवं प्लंबर व्यवसाय/विषय में मेहमान प्रवक्ता के रूप में कार्य करने हेतु आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। आवेदन कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 24 जनवरी 2025 तक है। आवेदन संबंधित जानकारी हेतु कार्यालयीन समय में संस्था में उपस्थित होकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

CMYK

# आईपीएल 2025 और पीएसएल में होगी सीधी टक्कर

### » कहीं बड़ी भूल तो नहीं कर रहा पीसीबी

**इस्लामाबाद,09 जनवरी 2025।** आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग का अगला सीजन मार्च में खेला जाएगा। ये करीब करीब तय है। हालांकि अभी बीसीसीआई की ओर से इसकी तारीखों और शेड्यूल का तो ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि 15 मार्च के आसपास से आईपीएल 2025 शुरू हो सकता है। इस बीच अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी अपने डोमेस्टिक सीजन का ऐलान किया है। इसमें खास बात ये है कि पहली बार ऐसा होगा, जब आईपीएल और पीएसएल आमने सामने होंगे। दोनों टूर्नामेंट एक ही वक्त में खेले जा रहे होंगे। इसको लेकर अब सवाल उठने शुरू हो गए हैं कि कहीं पीसीबी गलती तो नहीं कर रहा। वैसे भी पाकिस्तान सुपर लीग की कोई ब्रॉड वेल्यू तो हैं नहीं, लेकिन आईपीएल के सामने तो ये और भी बुरी तरह से पिस जाएगा।

### दुनियाभर के दिग्गज खेलते हैं आईपीएल

आईपीएल 2025 का सीजन कब खेला जाएगा, इसका आधिकारिक ऐलान जनवरी के आखिर तक या फिर फरवरी की शुरुआत में कर दिया जाएगा। आईपीएल दुनिया का अकेला ऐसा टूर्नामेंट हैं, जिसमें दुनियाभर के खिलाड़ी खेलने की चाहत रखते हैं, लेकिन मौका गिने चुने प्लेयर्स को ही मिलता है। जब भारत में आईपीएल चल रहा होता है तो दुनियाभर में इंटरनेशनल मैच भी काफी कम होते हैं। आईसीसी की ओर से इसको लेकर एक अलग विंडो दी गई है। लेकिन अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी हरकत कर रहा है।

### पीएसएल का अगला सीजन अप्रेल से मई तक

पीसीबी ओर से डोमेस्टिक सीजन का जो शेड्यूल जारी किया गया है, उसमें बताया गया है कि पाकिस्तान सुपर लीग का अगला सीजन अप्रैल मई में होगा। ये वो वक्त होता है, जब आईपीएल का सीजन अपने पूरे उफान पर होता है। टीमें एक दूसरे को पीछे कर टॉप 4 में अपनी जगह पक्की करने की जद्दोजहद करती हैं। उसी वक्त पर पीएसएल का दसवां सीजन खेला जाएगा। वैसे तो आईपीएल में दुनियाभर के स्टार खिलाड़ी खेलते हैं और पीएसएल में वही जाते हैं, जो आईपीएल से रिजेक्ट कर दिए जाते हैं, फिर भी कुछ खिलाड़ी समान रहते हैं, उनके सामने मुश्किल होगी कि वे किस टूर्नामेंट को खेलें।

### चैंपियंस ट्रॉफी की वजह से बदला गया प्रोग्राम

वैसे आपको जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान सुपर लीग का सीजन फरवरी से लेकर मार्च तक खेला जाता था। लेकिन इस बार पाकिस्तान में ही चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन फरवरी मार्च में किया जा रहा है, इसलिए पीएसएल को भी आगे खिसकाना पड़ेगा। यानी पीसीबी इस वक्त ऐसा फंसा हुआ है कि कुछ समझ ही नहीं आ रहा है। देखना होगा कि पीएसएल को इस बार कितना नुकसान उठना पड़ता है और कौन कौन से खिलाड़ी वहां जाने से मना करते हैं।

## महीश तीक्षणा बने वनडे में हैट्रिक लेने वाले श्रीलंका के 7वें गेंदबाज

**हैमिल्टन ,09 जनवरी 2025।** महीश तीक्षणा ने वनडे क्रिकेट में हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया। वह श्रीलंका के के सातवें गेंदबाज हैं, जिन्होंने यह कारनामा किया है। तीक्षणा की यह हैट्रिक तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में सेडन पार्क में हुई।यह सीरीज श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही है। मेहमान टीम की ओर से तीक्षणा ने यह उपलब्धि दो ओवरों में हासिल की। 35वें ओवर में, उन्होंने लगातार दो गेंदों पर न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ को आउट किया। इसके बाद 37वें ओवर की पहली ही गेंद पर मैट हेनरी को पवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। तीक्षणा ने 8 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट झटके और अपनी स्पिन गेंदबाजी का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह श्रीलंका के किसी गेंदबाज द्वारा छह साल बाद वनडे में हैट्रिक है।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के पहले दौर में सुमित नागल का थॉमस माचाक से सामना

**मेलबर्न,09 जनवरी 2025।** साल के पहले ग्रैंड स्लैम का आगाज होने जा रहा है जिसमें भारत के चोटी के एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का सामना चेक गणराज्य के थॉमस माचाक से होगा। 27 वर्ष के नागल फिलहाल एटीपी रैंकिंग में 96वें स्थान पर हैं। उन्होंने शीर्ष 104 खिलाड़ियों में होने की वजह से सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई है। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में 27वीं रैंकिंग वाले कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को हराया था लेकिन अगले दौर में चीन के जुनचेंग शांग से हार गए। वह आस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी के लिये अहम माने जाने वाले आकलैंड एएसबी क्लासिक में अमेरिका के एलेक्स मिचेलसेन से पहले ही दौर में हार गए थे। नागल डेविस कप खेलने से इनकार के कारण हाल ही में चर्चा में रहे थे।

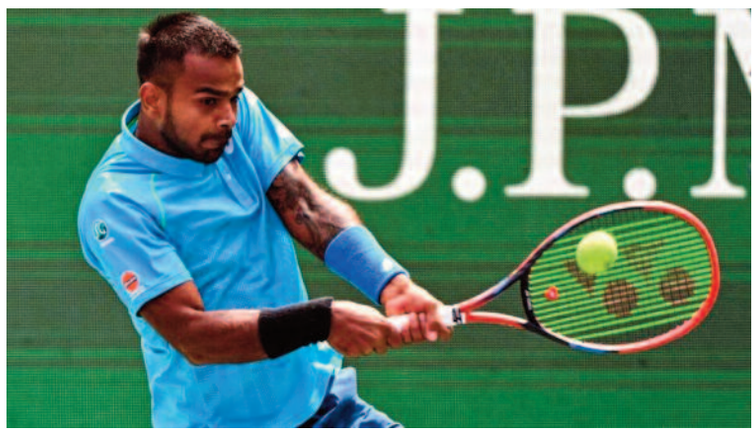

डिफेंडिंग चैम्पियन यानिक सिनेर और 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन नोवाक जोकोविच को साल के पहले ग्रैंडस्लैम में विपरीत ड्रॉ मिला है जिससे अब पिछले साल की तरह दोनों की टक्कर सेमीफाइनल में नहीं हो सकती । सिनेर ने पिछले साल जोकोविच को सेमीफाइनल में हराया था और दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर को पहले दौर में निकोलस जारी से खेलना है। उनके ड्रॉ में टेलर फिट्ज, बेन शेल्टन और मेदवेदेव भी हैं। फिट्ज का सामना पहले दौर में अमेरिका के जेंसन ब्रूकस्बी से होगा।

### जोकोविच नए कोच के साथ उतरेंगे

जोकोविच और तीसरी रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज की टक्कर क्वार्टर फाइनल में हो सकती है। महिला वर्ग में एरिना सबालेंका को 2017 अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस और 17 वर्ष की मीरा आंद्रीवा के साथ ड्रॉ मिला है। सबालेंका की नजरें लगातार तीसरे आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब पर होंगी और आखिरी बार 1997 से 1999 तक मार्तिना हिंगिस ही यह कमाल कर सकी हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गाफ से उनकी सेमीफाइनल में टक्कर हो सकती है। गाफ को पहले दौर में पूर्व चैम्पियन सोफिया केनिन से खेलना है और सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी इसी ड्रॉ में है। दूसरी रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक और 2022 विम्बलडन चैम्पियन एलेना रिबाकिना ड्रॉ के दूसरे हाफ में हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से मेलबर्न में शुरू होगा और 15 दिन तक चलेगा।

## चैंपियंस ट्रॉफी से पहले युजवेंद्र चहल को लगा तगड़ा झटका

### टीम में नहीं मिली जगह

**नई दिल्ली,09 जनवरी 2025।** युजवेंद्र चहल लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्हें पिछले साल खेले गए टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया में चुना गया था लेकिन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्हें ना तो जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम में जगह मिली और ना ही श्रीलंका दौरे पर मौका दिया गया। अब जब चैंपियंस ट्रॉफी का अगले महीने से आगाज होना है, तो चहल को एक और बड़ा झटका लगा है। चहल को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट राउंड के लिए हरियाणा की टीम में जगह नहीं मिली है। इससे उनके आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जगह बनाने की संभावना को तगड़ा झटका लगा है। बता दें, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान करने की आखिरी तारीख 12 जनवरी है।

### हरियाणा नॉकआउट राउंड में बंगाल से भिड़ेगी

विजय हजारे ट्रॉफी की मौजूदा चैंपियन हरियाणा की टीम नॉकआउट राउंड में अपने व्हाईट बॉल स्पेशलिस्ट युजवेंद्र चहल के बिना खेलेगी। हरियाणा प्रीलिमनरी क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ खेलेगी, जिसमें चहल नहीं होंगे। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की पर्सनल लाइफ इस समय काफी सुर्खियों में हैं। उनका और उनकी वाइफ के बीच रिश्ता खत्म होने की अफवाहें सोशल मीडिया पर चल रही हैं। इन अफवाहों को हवा तब और मिली जब दोनों ने एक-दूसरे सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया। यही नहीं, दोनों ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक-दूसरे के साथ खिंचाई गई तस्वीरों को भी हटा दिया। इसके बाद चहल की ओर से सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट भी देखने को मिली।

## ग्राम बखतपुरा में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

### फाइनल मुकाबला पलेरा टीम ने जीता

**टीकमगढ़ ,09 जनवरी 2025।** ग्राम पंचायत बखतपुरा में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला टीम पलेरा और बखतपुरा के बीच खेला गया। इस मुकाबले के मुख्य अतिथि गोविंद सिंह गौर (गुटई राजा), पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारिता बैंक, टीकमगढ़ रहे, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में गायत्री विनोद वर्मा (चेयरमैन पलेरा), डॉ. अमर सिंह राजपूत (जिला कार्यवाहक कांग्रेस कमेटी टीकमगढ़), ब्लॉक अध्यक्ष पलेरा राजू राय, एडवोकेट मोहन अहिरवार, पार्षद मानसिंह राय और कमलेश पार्षद भी मौजूद थे।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पलेरा टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और 16 ओवर में 173 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बखतपुरा टीम मात्र 35 रनों पर ही ऑल-आउट हो गई। इस बेहतरीन मैच के दौरान मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतू राय और मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार राकेश राजपूत को दिया गया। यह क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन अशफाक मंसूरी, मोंटी यादव, राहुल राजपूत टीला, पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी दिनेश कुमार निरंजन (किसान नेता), कपिल साहू, शाहरुख खान, विक्रम राय, केपी यादव, डॉ. अरविंद लोधी, अरविंद यादव, किदारी यादव, इंद्रपाल पाल, राकेश पाल और अन्य के द्वारा किया गया था। टूर्नामेंट में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए एक आर्केस्ट्रा प्रोग्राम भी आयोजित किया गया, जिसे सैकड़ों की संख्या में दर्शकों ने देखा और आनंद लिया। टूर्नामेंट के समापन पर दिनेश कुमार निरंजन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर बनेंगे यूनिस खान !

**नई दिल्ली ,09 जनवरी 2025।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सूत्रों ने बताया कि पूर्व पाकिस्तानी कप्तान यूनिस खान 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर के रूप में जुड़ेंगे।यूनिस इससे पहले 2022 में अफगानिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में छोटे कार्यकाल के लिए काम कर चुके हैं।एसीबी के सूत्रों ने बताया, यह पक्का हो गया है कि यूनिस 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर रहेंगे। वह टूर्नामेंट से पहले तैयारी कैंप में टीम से जुड़ेंगे और चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक टीम के साथ रहेंगे।

यूनिस खान ने 2017 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने 118 टेस्ट मैचों में 10,099 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 313 रहा। वहीं, 246 वनडे मैचों में उन्होंने 7,249 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 31.24 था। उन्होंने 7 शतक और 48 अर्धशतक लगाए।

यूनिस ने पाकिस्तान को 2009 में इंग्लैंड में आयोजित पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जिताया था।

यूनिस ने पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया लेकिन 2021 में छह महीने बाद इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने पीएसएल में पेशावर जाल्मी और अबू धाबी टी10 लीग में बांग्ला टाइगर्स के साथ कोचिंग की है।

2025 की चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान और दुबई में होगी। यह पहली बार होगा जब अफगानिस्तान इस आठ टीमों वाले टूर्नामेंट में खेलेगा। अफगानिस्तान ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ है, जबकि ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें हैं।

एक भारतीय कोच, जो पहले अफगानिस्तान टीम के साथ काम कर चुके हैं, ने कहा कि यूनिस खान को मेंटर बनाना टीम की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वे आईसीसी टूर्नामेंटों में खेलने वाले देशों के विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ते हैं।

पिछले आईसीसी टूर्नामेंटों में यह नीति अफगानिस्तान के लिए फायदेमंद रही है। 2023 में, भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा को वनडे वर्ल्ड कप के लिए मेंटर बनाया गया था। उस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को हराकर चार मैच जीते।

2024 के टी20 वर्ल्ड कप में, जो अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुआ, अफगानिस्तान ने दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया। उनकी मदद से टीम ने न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में यूनिस खान की भूमिका अफगानिस्तान के लिए कितनी सफल रहती है।

## कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज देती नजर आईं जन्नत गर्ल सोनल चौहान

जन्नत गर्ल सोनल चौहान अपने फैशन स्टेटमेंट्स और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।एक्ट्रेस सोनल चौहान आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया हेंडल पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हॉल्टर नेक लुक में बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। अभिनेत्री अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप लुक और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस सोनल चौहान ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई फैंस को इंप्रेस करती हुई नजर आ रही हैं।सोनल चौहान भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। लेकिन इंस्टाग्राम पर वो काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

## नई फुटेज के साथ 11 जनवरी से सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी पुष्पा 2

### फिल्म की अवधि में हुआ इजाफा

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाए हुए है। रिलीज के करीब महीनेभर बाद भी इसका जलवा बरकरार है। अब इस फिल्म का रिलोडिड वर्जन सिनेमाघरों में आ रहा है। दर्शकों को कुछ अतिरिक्त फुटेज के साथ इस फिल्म को देखने का मौका मिलेगा। बता दें कि दिसंबर में क्रिसमस से पहले मेकर्स ने फिल्म में कुछ और एपिसोड जोडने़ का एलान किया था। इसके बाद फिल्म की अवधि बढ़ जाएगी। जोड़ी गई फुटेज के साथ फिल्म इसी महीने से सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। तारीख जान लेते हैं।मैत्री मूवीज मेकर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें बताया गया कि फिल्म का रिलोडिड वर्जन 11 जनवरी 2025 से सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। नए एपिसोड जोडने़ से फिल्म की अवधि करीब 20 मिनट और बढ़ जाएगी। अब इसका टोटल रनटाइम होगा 3 घंटे 40 मिनट।फिल्म पुष्पा 2 05 दिसंबर 2024 को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हुई। कमाई के मामले में यह पहले दिन से रिकॉर्ड तोड़ रही है। रिलीज के 34 दिन इसने शानदार अंदाज में पूरे किए हैं। मंगलवार को फिल्म ने ढाई करोड़ रुपये की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर की। अब तक इसका नेट कलेक्शन 1,210.95 करोड़ रुपये हो चुका है।देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में पुष्पा 2 का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 1,831 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।इस फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।पुष्पा 2 के निर्देशक सुकुमार हैं। उन्होंने साल 2021 में इस फिल्म का पहला भाग पुष्पाः द राइज बनाया था, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर था। फहद फासिल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।कहानी की बात करें तो पहले भाग में एक आम दिहाड़ी मजदूर रहा पुष्पा राज (अल्लू अर्जुन) चंदन का तस्कर बन चुका है। वह अपने इलाके के लोगों की भलाई के लिए सबकुछ करता है और उनके दिलों का राजा बन जाता है।मेकर्स इस फैसले के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि पुष्पा 2 जल्द ही आमिर खान की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल, जिसने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 2070.3 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, को पीछे छोड़ सकती है।

## टॉक्सिक का जहर टीजर रिलीज

### केजीएफ स्टार का फर्स्ट लुक आउट

साउथ सुपरस्टार यश इंडियन सिनेमा में अपना नाम कमा चुके हैं। नवीन कुमार गौड़ उर्फ रॉकिंग स्टार यश के फैंस के लिए आज खुशी का दिन है। यश अपना 39वां बर्थडे मनाए। जानकर हैरानी होगी कि यश बीते 17 सालों से इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, लेकिन साल 2018 में आई फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 से उन्हें वर्ल्डवाइड पहचान मिली है। केजीएफ से पहले यश को कई फिल्मों में देखा गया है, लेकिन यह सभी फिल्में कन्नड़ सिनेमा तक ही सिमटकर रह गईं। आज इंडिया के कोने-कोने में यश की फिल्मों का इंतजार होता है। वहीं, बर्थडे के मौके पर यश ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। यश स्टारर एक्शन एडवेंचर फिल्म टॉक्सिक से यश ने बीती 6 जनवरी को एक पोस्टर शेयर किया था और अपने फैंस को कहा था कि वह अपने 39वें बर्थडे पर फिल्म से बड़ा और सरप्राइज गिफ्ट देंगे। अब यश ने अपना वादा पूरा करते हुए फिल्म टॉक्सिक से फैंस के लिए बड़ा गिफ्ट भेजा है। यश ने अपने बर्थडे पर फिल्म टॉक्सिक से एकदम जहर टीजर शेयर किया है, जिसमें यश को एक बार में पोल गर्ल और बार डांसर के साथ इंटीमेट होते देखा जा रहा है। वहीं, टीजर में यश का फर्स्ट लुक भी देखने को मिल रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि यश अपनी इस फिल्म से भी फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। बता दें, फर्स्ट लुक में यश ने क्रीम रंग के कॉस्ट्यू पर हैट लगाई हुई है और वह इस लुक में किसी माचोमैन से कम नहीं दिख रहे हैं। टॉक्सिकः ए डार्क फेयरीटेल को गीतू मोनदास डायरेक्ट कर रही हैं। टॉक्सिक आगामी 10 अप्रैल को वर्ल्ड वाइड रिलीज होने जा रही है। यश की यह पैन इंडिया फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार है। अब यश अपनी इस फिल्म पर पूरी तरह से ध्यान दे रहे हैं और दर्शकों को एक नया सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार हैं।

## प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

### राज्य में मानव अंग प्रतिरोपण के लिए सलाहकार समिति का गठन

**9 सदस्यों को किया गया शामिल**

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** राज्य में मानव अंग प्रतिरोपण के लिए सलाहकार समिति का गठन किया गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है, जिसमें समिति के अध्यक्ष समेत कुल 9 सदस्य शामिल हैं। समिति के अध्यक्ष के रूप में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा स्थान दिया गया है। इसके अतिरिक्त, दाऊ कल्याण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर की प्रोफ़ेसर सर्जरी और अधीक्षक डॉ. शिप्रा शर्मा को भी समिति का सदस्य बनाया गया है।इस समिति में अपर संचालक, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को सदस्य सचिव के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। यह समिति अगले दो साल तक कार्य करेगी।

### आरोपी अमित अग्रवाल की जमानत अर्जी खारिज

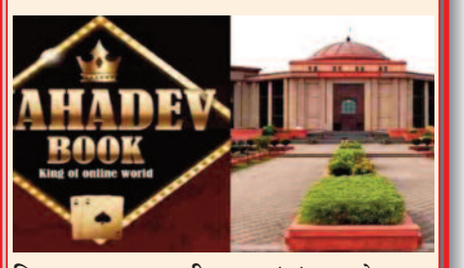


**बिलासपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर अमित अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर उसे जमानत पर रिहा करने से इंकार कर दिया।

### प्रैक्टिकल क्लास में सहपाठी पर फेंका एसिड,मचा हड़कंप

**बिलासपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** तखतपुर स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में एक छात्र द्वारा अपने सहपाठी पर एसिड डालने की घटना से हड़कंप मच गया। प्रैक्टिकल सत्र के दौरान, कक्षा 11वीं के एक छात्र ने अपने सहपाठी की पीठ पर एसिड डाल दिया, जिससे छात्र झुलस गया। उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

# छत्तीसगढ़ के मुंगेली में हुआ बड़ा हादसा

» छत्तीसगढ़ के मुंगेली में स्टील प्लांट की निर्माणाधीन चिमनी गिरने से 30 से अधिक लोग मलबे में दबे...

» 8 की मौत की खबर...

**मुंगेली,09 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ के मुंगेली में बड़ा हादसा हुआ है. एक प्लांट की चिमनी गिरने से उसके नीचे दर्जनों मजूदर दब गए जिन्हें निकालने के लिए राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या कम से कम 30 है. इस हादसे में कई मजदूरों की मौत की भी आशंका जताई जा रही है. घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिशें जारी हैं। यह घटना सरगांव थाना क्षेत्र के रामबोड़ इलाके में हुई है। राहत और बचाव कार्य में स्थानीय लोग भी प्रशासन की मदद कर रहे हैं. यह हादसा उस समय हुआ जब एक लोहे की पाइप बनाने वाली फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा था, निर्माणाधीन कंपनी का नाम कुसुम है

**मौके पर मची चीख पुकार**

फैक्ट्री की चिमनी मजदूरों के ऊपर पर गिरते ही चीख पुकार मच गई। काम कर रहे कई मजदूर दब गए। करीब 30 से अधिक मजदूर दब गए हैं जिनको बचाने के लिए घटनास्थल पर रेस्क्यू शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला जा रहा है। अभी तक कुछ मजदूरों के मौत की खबर सामने आ रही है।

जिसका प्लांट तैयार किया जा रहा था। चिमनी गिरने से 25 से अधिक लोग मलबे में दब गए हैं, जिनमें से 8 से 9 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में गुरुवार को बड़ा हादसा हुआ. प्लांट की चिमनी गिरने से 9 मजदूरों के मौत की आशंका है. जबकि 25 मजदूरों के दबने की खबर है. राहत और बचाव कार्य जारी है. मुंगेली कलेक्टर राहुल देव ने बताया- मुंगेली के सरगांव में एक लोहा बनाने वाली फैक्ट्री में साइलो स्ट्रक्चर गिरने से मजदूरों के फंसे होने की आशंका है. एक घायल मजदूर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस और प्रशासन मौके पर मौजूद है. बचाव अभियान जारी है।

**मुंगेली हादसे को लेकर सीएम ने जताया शोक**

मुंगेली जिले के रामबोड़ गांव स्थित स्मेल्टर्स प्लांट में औद्योगिक दुर्घटना का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही उच्चाधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य हेतु आवश्यक निर्देश दिए हैं। घटनास्थल पर राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसकी सतत निगरानी भी की जा रही है। ईश्वर से मलबे में दबे मजदूरों के सकुशल होने एवं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

**मुंगेली प्लांट हादसे को लेकर मंत्री ओपी चौधरी ने जताया शोक**

मुंगेली जिले के रामबोड़ गांव स्थित स्मेल्टर्स प्लांट में औद्योगिक दुर्घटना की दुखद जानकारी प्राप्त हुई। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। ईश्वर से मलबे में दबे मजदूरों के सुरक्षित होने और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

# महापौर पद के लिए दावेदारी तेज

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** नगर निगम में महापौर की सीट इस बार महिला (सामान्य) के लिए आरक्षित होने के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस, दोनों पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों को लेकर रणनीति बना रही हैं। दोनों ही पार्टियों की महिलाएं महापौर पद के लिए जोर-शोर से दावेदारी पेश कर रही हैं।

बीजेपी और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियां जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी रणनीतियां बना रही हैं। जहां कांग्रेस सर्वेक्षण और अनुभव पर ध्यान दे रही है, वहीं बीजेपी अपनी संगठनात्मक मजबूती और नए चेहरों को मौका देने की रणनीति पर काम कर रही है। दोनों ही पार्टियों के दावेदारों की सूची लंबी है, हालांकि अंतिम फैसला जीत के समीकरणों के आधार पर होगा।

**बीजेपी से संभावित दावेदार**

**मीनल चौबे**

वर्तमान में नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष हैं। संगठन में बेहद सक्रिय हैं और इनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

**शैलेंद्री परगनिहा**

वर्तमान में अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य हैं। 25 साल से अधिक राजनीतिक अनुभव रहा है। पार्षद, जिलाध्यक्ष और महामंत्री जैसे अहम पदों पर काम कर चुकी हैं।

**वर्णिका शर्मा**

संघ और संगठन में सक्रिय। संघ से जुड़ी वर्णिका शर्मा नक्सल विषयों पर मुखर रही हैं। संगठन में इनके नाम की चर्चा है। बता दें कि वर्णिका नक्सल मुद्दों पर मुखर रही हैं।

**शताब्दी पांडेय**

इन्होंने छात्र राजनीति से अपनी शुरुआत की है। संघ और संगठन में सक्रिय भूमिका। महापौर पद की दावेदारी पेश की है।

**प्रभा दुबे**

2015 में महापौर चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार से हारने के बाद भी सक्रिय। राजनीति में अनुभव के आधार पर इनका नाम चर्चा में है।

**सीमा संतोष साहू**

दो बार पार्षद चुनी गईं। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष। ओबीसी वर्ग से होने के कारण इनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

**सरिता दुबे**

ब्राह्मण पारा वार्ड से पार्षद। निगम की राजनीति में सक्रिय। दावेदारों में मीनल चौबे के बाद इनका नाम प्रमुख है।

**कांग्रेस से संभावित दावेदार**

**वंदना राजपूत**

महिला कांग्रेस में सक्रिय। पार्टी के पक्ष को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करती रही हैं। महापौर पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुकी हैं।

**प्रीति उपाध्याय**

संगठन में लंबे समय से सक्रिय। पार्टी ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जिम्मेदारियां दी हैं। महापौर पद के लिए प्रबल दावेदार हैं।

**दीप्ति दुबे**

पूर्व महापौर प्रमोद दुबे की पत्नी हैं। प्रमोद दुबे के समर्थन से इनकी दावेदारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

**किरणमयी नायक**

वर्तमान में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष। रायपुर की पूर्व महापौर। यदि पार्टी मौका देती है तो उन्हें महिला आयोग से इस्तीफा देना होगा।

**प्रगति बाजपेयी**

महिला कांग्रेस में प्रदेश सचिव और महासचिव रह चुकी हैं। पार्टी ने विभिन्न राज्यों में प्रभारी की जिम्मेदारी दी है।

**अन्य नाम** कविता ग्वालानी, संगीता दुबे, उषा रज्जन श्रीवास्तव, और ममता राय जैसे नाम संभावित दावेदारों में शामिल हैं। कुछ कांग्रेस नेता अपनी पत्नियों के नाम भी आगे बढ़ा रहे हैं, जैसे नागभूषण राव, कुलदीप जुनेजा और कन्हैया अग्रवाल।

# लखमा पिता-पुत्र दूसरी बार पहुंचे ईडी कार्यालय

» शराब घोटाला में फिर हुई पूछताछ...

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा और उनके पुत्र हरीश लखमा ईडी के बुलावे पर फिर से ईडी के रायपुर स्थित कार्यालय पहुंचे हैं। दोनों से पूछताछ चल रही है। बता दें कि पिछले सप्ताह भी दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। आठ घंटे तक पूछताछ चली थी। आज फिर से ईडी ने दोनों को तलब किया है। बता दें कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दौरान करीब 2 हजार करोड़ रुपये से शराब घोटाला हुआ था। तब कवासी लखमा प्रदेश के आबकारी मंत्री थे। ईडी का आरोप है कि प्रदेश में हुए शराब घोटाला में से बड़ी रकम कवासी लखमा को भी मिली है। ईडी ने इस मामले में पिछले महीने लखमा के यहां छापा मारा था। छापे के बाद ईडी ने लखमा के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने का दावा भी किया है। इसके बाद से ही लखमा से पूछताछ का सिलसिला चल रहा है।

# ऑटो एक्सपो से पहले परिवहन विभाग ने हाईकोर्ट में दायर किया कैविएट

**बिलासपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** राजधानी रायपुर में होने जा रहे ऑटो एक्सपो को लेकर हाईकोर्ट में परिवहन विभाग ने कैविएट दायर की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पक्ष द्वारा एक्सपो के खिलाफ याचिका दायर किए जाने पर न्यायालय परिवहन विभाग को सुने बिना आदेश पारित न करे। रायपुर में आयोजित होने वाला ऑटो एक्सपो राज्य का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन माना जा रहा है। इसमें विभिन्न प्रकार के वाहनों की प्रदर्शनी के साथ-साथ नई तकनीकों और यातायात सुधार से जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा जोरशोर से तैयारी की जा रही है।

**आयोजन में कोई बाधा न आये इसलिए लगाया कैविएट**

परिवहन विभाग ने हाईकोर्ट में कैविएट इस आशंका के तहत दायर की है कि आयोजन को लेकर किसी भी प्रकार की कानूनी चुनौती न आए, जिससे कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हो। कैविएट दायर होने से यह सुनिश्चित होगा कि विभाग को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा।

# 1 दर्जन से ज्यादा नक्सलियों ने एक साथ किया सरेंडर

**सभी पर 5- 5 लाख रुपये का था ईनाम**

**बीजापुर,09 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले में नक्सलियों द्वारा जारी कायराना करतूत के बीच बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के एनकाउंटर से घबराकर नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं।इसी कड़ी में गुरुवार को मध्यप्रदेश के गोंदिया डिवीजन में सक्रिय रहे माओवादी दंपत्ति समेत 13 माओवादियों ने सरेंडर किया है। इन सभी के सर पर सरकार ने 5- 5 लाख रुपये का इनाम था।

# अब शासकीय कर्मचारियों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट हुआ जरूरी

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए राज्य के शासकीय कर्मियों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने प्रदेश के सभी विभागों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं।मुख्य सचिव ने कहा कि हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं के कारण कई शासकीय कर्मियों की जान चली गई है या वे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने मोटरयान (संशोधन) अधिनियम, 2019 का हवाला देते हुए जोर दिया कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य है।

**शासकीय कर्मियों के लिए विशेष निर्देश**

राज्य के सभी शासकीय और अर्द्धशासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को यह निर्देश शासकीय कर्मियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# मरीजों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार का बड़ा फैसला

**मरीज के परिजनों को मिलेगी बड़ी राहत**

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीज के परिजनों को खून की जांच कराने के लिए सैंपल लेकर पैथोलॉजी लैब नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल में भर्ती अंतः रोगी मरीजों के लिए प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है।

अब वार्ड में भर्ती सभी मरीजों के पैथोलॉजिकल जांच के लिए उनका ब्लड सैंपल वार्ड में एकत्रित कर वार्ड बॉय द्वारा पैथोलैब तक पहुंचाया जाएगा और जांच पश्चात् ब्लड रिपोर्ट एकत्रित करके उसे संबंधित वार्ड में ऑन ड्यूटी नर्स को दिया जाएगा। अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मेडिसिन मेल वार्ड क्र. 8 एवं 9 तथा मेडिसिन फीमेल वार्ड क्रं. 10 एवं 11 में भर्ती मरीजों के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है। धीरे-धीरे सभी वार्डों में सैंपल कलेक्शन सिस्टम की यह व्यवस्था लागू हो जाने के बाद मरीजों को सबसे बड़ी राहत मिलेगी और उनके अटेंडर को भी जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर पैथोलॉजी लैब तक नहीं जाना पड़ेगा। रिपोर्ट भी उनको समय पर मिल जायेगा।

# बार्डर पर दो ईनामी महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

**रायपुर,09 जनवरी 2025(ए)।** नक्सलियों द्वारा जारी आतंक के बीच छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सीमा पर सक्रिय दो महिला नक्सलियों ने नक्सली गतिविधियों को त्यागकर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। इन दोनों ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)